page 1 and 8 mar 11_page 1 Mar 25 final ds.qxd 11-03-2025 01:15 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 बेरोजगार युवाओं के लिए वेल्डिंग प्रशिक्षण आयोजित

5 मैं संन्यास नहीं लेने वाला : रोहित शर्मा

8 चेरी की खेती

मौसम जम्मू
न्यूनतम 16
अधिकतम 26

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-63 | जम्मू तवी, मंगलवार 11 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन फिर से शुरू हुआ है: मुख्यमंत्री उमर

जम्मू 10 मार्च। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर संघर्ष विराम के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों में फिर से वृद्धि हुई है। अपने उड़ी निर्वाचन क्षेत्र के बारे में सदस्य सज्जाद शफी द्वारा उठाए गए पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए, मुख्यमंत्री, जिनके पास पर्यटन विभाग भी है, ने सदन को सूचित किया कि नियंत्रण रेखा और सीमा पर संघर्ष विराम के बाद सीमावर्ती क्षेत्र धीरे-धीरे खुल रहे हैं, क्षेत्र में मौजूदा शांति के कारण पर्यटन में सकारात्मक रुझान देखा जा रहा है।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि यह सच है कि उड़ी में सीमा पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटकों ने उड़ी जैसे क्षेत्रों का दौरा करना शुरू कर दिया है और वे अमन सेतु और अन्य दर्शनीय स्थानों को देखने के लिए उत्सुक हैं। हमारी प्राथमिकता इन क्षेत्रों में पर्यटन के बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है। सदस्य के तारांकित प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि उड़ी विधानसभा क्षेत्र में लगमा से बाबा फ्रेंड गरकोट तक जिपलाइन या केबल कार परियोजना स्थापित करने की व्यवहार्यता का आकलन पर्यटन विभाग द्वारा किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि सीमा पर्यटन कार्यक्रम के तहत शामिल किए जाने के साथ रुस्तम और नंबला झरनों जैसे स्थानों के विकास पर भविष्य में विचार किया जाएगा, जो व्यवहार्यता और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन होगा।

साहसिक पर्यटन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बिजहम और लिम्बर झरना/लिम्बर वन्यजीव अभयारण्य साहसिक उत्साही लोगों को आकर्षित करने के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग ने इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए कई पहल की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि विभाग सीधे पैराग्लाइडिंग गतिविधियों का संचालन नहीं करता है, लेकिन यह निजी साहसिक पर्यटन ऑपरेटरों के माध्यम से उन्हें सुविधा प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त, इच्छुक प्रशिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और व्यवहार्यता सर्वेक्षण के बाद पैराग्लाइडिंग की अनुमति दी जाती है। कैंपिंग सुविधाओं के बारे में मुख्यमंत्री ने बताया कि पर्यटन विभाग झेलम नदी के तट पर गंटामुल्ला जलाशय में कैंपिंग कॉलोनियों की स्थापना के लिए सुविधा प्रदान करता है और अनुमति देता है।

सरकार ने बारामुल्ला से सलामाबाद, उड़ी की यात्रा करने वाले आगंतुकों की सुविधा के लिए पहले ही प्रमुख पर्यटन संपत्ति विकसित की है। उन्होंने बताया कि इनमें खादिनयार पार्क, बोनियार में एक पर्यटक कैफेटेरिया और टीआईसी, उड़ी के सलामाबाद में एक पर्यटक कैफेटेरिया और सलामाबाद में एक पर्यटक स्वागत केंद्र का विकास शामिल है।

इसके अलावा, इको-पार्क खादिनयार में जलकर खाक हो चुके कैफेटेरिया का पुनर्निर्माण किया गया है।

मॉरीशस यात्रा आपसी प्रगति व समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण : मोदी

नयी दिल्ली, 10 मार्च । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी मॉरीशस की यात्रा को आपसी प्रगति और समृद्धि के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा एवं विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया है।

श्री मोदी ने मॉरीशस की यात्रा पर रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा,मेरे मित्र प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के निमंत्रण पर, मैं मॉरीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भाग लेने के लिए मॉरीशस की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर जा रहा हूँ।

उन्होंने कहा,मॉरीशस एक करीबी समुद्री पड़ोसी, हिंद महासागर में एक प्रमुख साझीदार और अफ्रीकी महाद्वीप का प्रवेश द्वार है। हम इतिहास, भूगोल और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। प्रगाढ आपसी विश्वास, लोकतंत्र के मूल्यों में साझा भरोसा और हमारी विविधता का उत्सव मनाना हमारी शक्ति हैं। लोगों के बीच घनिष्ठ और ऐतिहासिक जुड़ाव साझा गौरव का स्रोत है। हमने पिछले दस

वर्षों में लोगों को ध्यान में रखकर पहल करते हुए महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उन्होंने कहा,मैं अपने सागर विजन के हिस्से के रूप में, अपने लोगों की प्रगति और समृद्धि के साथ-साथ हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा एवं विकास के लिए अपनी स्थायी मित्रता को मजबूत करने तथा अपने सभी पहलुओं में अपनी साझीदारी को बढ़ाने के लिए मॉरीशस नेतृत्व के साथ जुड़ने के अवसर की प्रतीक्षा में हूँ।

प्रधानमंत्री ने कहा,मुझे विश्वास है कि यह यात्रा अतीत की नींव पर आधारित होगी तथा भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों में एक नया एवं उवल अध्याय जोड़ेगी।

विधानसभा ने बनी के विधायक पर हमले की निंदा की

जम्मू 10 मार्च। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने बनी के विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह पर हुए हमले की निंदा की।

विधानसभा में अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने कहा, यह हम सभी के लिए एक वास्तविक चिंता है जिसे सदस्यों ने उठाया है। हम हमले की निंदा करते हैं और इसकी गहन जांच होनी चाहिए।

सत्र की शुरुआत में रामेश्वर सिंह ने इस मुद्दे को उठाया, जिसका बाद में अन्य विधायकों ने समर्थन किया और हमले की समयबद्ध जांच की मांग की।

शनिवार रात को बनी के विधायक के साथ प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने तब हाथापाई की जब वह तीन मृतक नागरिकों के परिवारों से मिलने बिलावर के उप-जिला अस्पताल गए थे।

हालांकि, अध्यक्ष ने कहा कि जिस मामले में पहले ही जांच के आदेश दिए जा चुके हैं, उस पर सदन में चर्चा नहीं की जाएगी।

बिलावर में नागरिकों की हत्याओं पर विधानसभा में हंगामा, स्पीकर का चर्चा कराने से इनकार

जम्मू, 10 मार्च। विधानसभा में सोमवार को बिलावर, कठुआ में नागरिकों की हत्या और गुलमर्ग में अश्लील फैशन शो को लेकर हंगामा हुआ।प्रश्नकाल शुरू होते ही एनसी और कांग्रेस विधायक बिलावर में नागरिकों की हत्याओं पर चर्चा की मांग को लेकर खड़े हो गए। सदन में हंगामे के बीच शनिवार रात बिलावर में मारपीट का शिकार हुए बनी के विधायक डॉ. रामेश्वर सिंह ने सदन के वेल में जाने की कोशिश की, लेकिन मार्शलों ने उन्हें रोक दिया।

अध्यक्ष ने एनसी सदस्यों से बार-बार व्यवधान पैदा न करने और अपनी सीटों पर बैठने को कहा, लेकिन एनसी सदस्य अडिग रहे और अपना विरोध जारी रखा। सदन में हंगामे के बीच कुपवाड़ा के विधायक मीर मुहम्मद फैयाज ने गुलमर्ग में अश्लील फैशन शो के आयोजकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सदन में व्यवधान जारी रहने पर स्पीकर ने कहा कि बिलावर हत्याकांड पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि यह मामला विधानसभा के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम-2019 की धारा 32 का हवाला दिया, जिसके तहत पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था विधानसभा के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

उन्होंने कहा कि एलजी ने पहले ही मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। स्पीकर ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पहले ही फैशन शो की जांच के आदेश दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस पर चर्चा नहीं हो सकती, क्योंकि जांच के तहत आने वाले मामले सदन में नहीं उठाए जा सकते।

'स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने और रिक्त पदों को भरने का काम किया जा रहा है'

जम्मू, 10 मार्च। स्वास्थ्य मंत्री सकीना इत्तू ने विधानसभा में गुलाम मोहिउद्दीन मीर द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मौजूदा स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने और स्वास्थ्य क्षेत्र में सभी रिक्त पदों को भरने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

मंत्री ने बताया कि देश में स्वास्थ्य संस्थान घनत्व के मामले में जम्मू-कश्मीर बड़े राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में शीर्ष पर है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2023 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में हर 3500 लोगों पर स्वास्थ्य संस्थान हैं, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर औसतन 6000 लोग हैं। इसके अलावा, आईपीएचएस-2022 मानदंडों के संदर्भ में उन्नयन/नए की व्यवहार्यता की जांच की जा रही है। राजपोरा निर्वाचन क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का उल्लेख करते हुए, मंत्री ने बताया कि कुल 34 स्वास्थ्य सुविधाएं हैं, जिनमें से 31 को स्थानीय आबादी को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर में अपग्रेड किया गया है।

200 क्यूसेक पानी उठाने की योजना पर फंडिंग एजेंसी न होने के कारण काम नहीं हुआ: जावेद राणा

जम्मू, 10 मार्च। जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने विधानसभा में शाम लाल शर्मा द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि जम्मू शहर में इस्तेमाल के लिए चिनाब नदी से 200 क्यूसेक पीने का पानी उठाने का प्रस्ताव, जिसकी अनुमानित लागत 885

करोड़ रुपये है, को वर्ष 2013-14 में एशियाई विकास बैंक द्वारा वित्तपोषित नहीं किया गया था।

मंत्री ने बताया कि अगस्त 2022 में 1276 करोड़ रुपये का संशोधित अनुमान तैयार किया गया था, लेकिन फंडिंग एजेंसी न होने के कारण इसे आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के तीन अतिरिक्त जस्टिस की नियुक्ति स्थायी करने को मंजूरी

Justice Wasim Sadiq Nargal Justice Rajesh Sekhri Justice Mohammad Yousuf Wani

जम्मू 10 मार्च। केंद्र सरकार ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट के तीन अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने को मंजूरी दे दी। इनमें जस्टिस वसीम सादिक नरगल, जस्टिस राजेश सेखरी और जस्टिस मोहम्मद यूसुफ वानी हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 5 मार्च को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के तीन अतिरिक्त न्यायाधीशों को स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसके चलते आज केंद्र सरकार ने तीनों नामों को मंजूरी दी है।

जस्टिस वसीम सादिक नरगल जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट में सेवा दे चुके हैं। अगस्त, 2017 में हाई कोर्ट कॉलेजियम ने उन्हें जज के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की थी, जिसे अप्रैल, 2018 में सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने मंजूरी दे दी थी। अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति 1 जून, 2022 को की गई थी और उन्होंने 3 जून, 2022 को पद की शपथ ली।

जस्टिस राजेश सेखरी ने 29 जुलाई, 2024 को हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्होंने 1989 में जम्मू विश्वविद्यालय के विधि संकाय से एलएलबी की डिग्री हासिल करने के बाद 1995 में मुंसिफ न्यायाधीश के रूप में न्यायिक सेवा में प्रवेश किया। 2008 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत होने से पहले उन्होंने उप न्यायाधीश और राजौरी और कारगिल में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के रूप में कार्य किया। उन्होंने कई न्यायिक पदों पर कार्य किया।

जस्टिस मोहम्मद यूसुफ वानी ने 1990 में अपना कानूनी करियर शुरू किया और दिसंबर, 1997 में उन्हें मुंसिफ नियुक्त किया गया। उन्हें 2000 में उप न्यायाधीश और बाद में 2008 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर विशेष न्यायाधिकरण के न्यायिक सदस्य के रूप में महत्वपूर्ण न्यायिक भूमिका निभाई हैं। उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उनकी नियुक्ति 21 मार्च, 2024 को अधिसूचित की गई थी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 25 है और वर्तमान में यह केवल 15 न्यायाधीशों के साथ काम कर रहा है, जिससे 10 पद खाली हैं।

जम्मू-कश्मीर में 3.70 लाख से अधिक बेरोजगार युवा पंजीकृत हैं : सरकार

जम्मू, 10 मार्च। जम्मू-कश्मीर सरकार ने सोमवार को कहा कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में केंद्र शासित प्रदेश में आयोजित नौकरी मेलों के माध्यम से 4,893 कुशल और अकुशल युवाओं के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं जबकि जनवरी 2025 तक रोजगार पोर्टल पर 3.70 लाख से अधिक बेरोजगार युवा पंजीकृत हैं।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कई योजनाओं और पहलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन पर केंद्रित नीति तैयार करने का इरादा रखती है

सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि 2022-23 से फरवरी 2025 तक 246 जॉब फेयर आयोजित किए गए जिसमें 2,760 कंपनियों ने भाग लिया और इन आयोजनों के दौरान 1,36,200 नौकरी चाहने वालों ने अपना पंजीकरण कराया। उनमें से 39,782 उम्मीदवारों को दूसरे दौर की काउंसलिंग के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया जबकि 4,893 युवाओं को मौके पर ही रोजगार मिला।

2022-23 में विभाग ने 878 कंपनियों और 45,447 नौकरी चाहने वालों की भागीदारी के साथ 84 जॉब फेयर आयोजित किए। परिणामस्वरूप 14,014 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया जबकि 1,761 नौकरी चाहने वालों को मौके पर ही प्लेसमेंट मिला और 2,978 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिए अनुशंसित किया गया। अगले वर्ष सरकार ने आउटरीच को बढ़ाया 106 जॉब फेयर आयोजित किए जिसमें 1,412 कंपनियां और 72,175 नौकरी चाहने वाले शामिल हुए। इसके परिणामस्वरूप 20,754 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया 1,902 को मौके पर ही प्लेसमेंट मिला और 2,807 को कौशल प्रशिक्षण के लिए अनुशंसित किया गया। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 (फरवरी 2025 तक) के लिए 56 जॉब फेयर आयोजित किए गए, 470 कंपनियों ने भाग लिया और 18,578 नौकरी चाहने वालों ने पंजीकरण कराया। उन में से, 5,014 को शॉर्टलिस्ट किया गया जबकि 1,230 उम्मीदवारों ने मौके पर ही प्लेसमेंट हासिल किया। इसके अतिरिक्त 855 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के लिए अनुशंसित किया गया।

विधायक शाम लाल शर्मा के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की गई कई योजनाओं और पहलों के माध्यम से निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन पर केंद्रित नीति तैयार करने का इरादा है। उन्होंने कहा कि रोजगार पोर्टल पर बेरोजगार शिक्षित युवाओं का पंजीकरण एक स्वैच्छिक प्रक्रिया है जिससे नौकरी चाहने वालों को विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वरोजगार योजनाओं और नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने की अनुमति मिलती है। जनवरी 2025 तक पोर्टल पर 3,70,811 बेरोजगार युवा पंजीकृत हैं। इसके अतिरिक्त एक बेसलाइन सर्वेक्षण के हिस्से के रूप में सरकार ने कहा कि 18-60 आयु वर्ग के 4.73 लाख व्यक्तियों ने जम्मू और कश्मीर में काम नहीं करने लेकिन काम करने के इच्छुक होने की सूचना दी है।

जम्मू-कश्मीर में 10 से 16 मार्च तक बारिश और बर्फबारी का अनुमान

श्रीनगर, 10 मार्च। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 10 से 16 मार्च तक जम्मू-कश्मीर में रुक-रुक कर बारिश और बर्फबारी का अनुमान लगाया है। आज कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी होने की उम्मीद है, जबकि कुपवाड़ा, बांदीपोरा और गंदरबल के ऊंचे इलाकों में मध्यम बर्फबारी हो सकती है। 11 मार्च को छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

मौसम विभाग ने 12-14 मार्च के बीच कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की भविष्यवाणी की है। 15-16 मार्च कई स्थानों पर रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना है। 17-21 मार्च आमतौर पर शुष्क मौसम की संभावना है। मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए अधिकारियों ने यात्रियों, पर्यटकों, ट्रांसपोर्टरों और किसानों के लिए सलाह जारी की है।

कठुआ में तीन नागरिकों की हत्या की जांच में तेजी लाएं : इल्तिजा मुफ्ती

जम्मू, 10 मार्च। पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने सोमवार को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात से जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में हाल ही में तीन नागरिकों की हत्या की जांच में तेजी लाने का अनुरोध किया। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने सीमावर्ती जिले में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर चिंता व्यक्त की और कहा कि वह मृतकों के परिवारों से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना चाहती थीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी। 15 वर्षीय वरुण सिंह, उनके मामा योगेश सिंह (32) और मामा दर्शन सिंह (40) के शव शनिवार को जिले के ऊंचे इलाकों में सुदूर मल्हार इलाके के इशु नाले में मिले। तीनों 5 मार्च को लापता हो गए थे। हम तीन निर्दोष पीड़ितों के परिवारों से मिलने के लिए बिलावर जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन पुलिस ने हमें इसकी अनुमति नहीं दी। इल्तिजा ने यहां संवाददाताओं से कहा, अगर उन्हें लगता है कि हमारे दौरे से माहौल खराब होगा, तो भाजपा नेताओं को वहां जाने की इजाजत कैसे दी गई। उन्होंने कहा कि अगर पीडीपी और कांग्रेस के लिए वहां जाना खराब है, तो भाजपा के लिए यह कैसे अनुकूल है। पीडीपी नेता ने शनिवार रात एक अस्पताल के अंदर निर्दलीय विधायक बानी रामेश्वर सिंह के साथ मारपीट की भी निंदा की और कहा कि यह घटनाक्रम चिंताजनक है

नवंबर 2024 में 365 चिकित्सा अधिकारियों की नियुक्ति की गई, 181 और नियुक्तियां प्रक्रिया में हैं : सकीना इत्तू

जम्मू, 10 मार्च। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि सरकार जमीनी स्तर पर चिकित्सा देखभाल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मौजूदा स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को उन्नत कर रही है। मंत्री ने विधानसभा में शगुन परिहार के तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मंत्री ने यह भी कहा कि वर्तमान में जिला अस्पताल किश्तवाड़ 100 बिस्तरों वाले अस्पताल के रूप में कार्य कर रहा है और डीएच किश्तवाड़ के मौजूदा आईपीडी ब्लॉक से सटे 100 बिस्तरों वाले अतिरिक्त अस्पताल भवन का निर्माण चल रहा है। डीएच कश्मीर में ट्रॉमेटिक सेंटर सुविधा पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि किश्तवाड़ के सबसे नजदीक एक नामित ट्रॉमा केयर सेंटर 30 किलोमीटर की दूरी पर ठाठरी में स्थित है। उन्होंने यह भी बताया कि सभी ट्रॉमा मामलों को डीएच किश्तवाड़ के आपातकालीन कक्ष द्वारा संभाला जा रहा है, जहाँ सर्जन, ऑर्थो, एनेस्थेटिस्ट और फिजिशियन जैसे सभी विशेषज्ञ डॉक्टर और पर्याप्त संख्या में चिकित्सा अधिकारी और पैरा-मेडिक्स 24 घंटे आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात हैं। मंत्री ने सदन को आगे बताया कि वर्तमान में डीएच किश्तवाड़ में मरीजों के लिए 11 कंसल्टेंट, 8 मेडिकल ऑफिसर और 2 डेंटल सर्जन के अलावा अन्य पैरामेडिकल स्टाफहैं। विभाग ने डॉक्टर और मेडिकल प्रोफेशनल्स की भर्ती प्रक्रिया को तेज कर दिया है। उन्होंने बताया कि नवंबर 2024 में 365 चयनितों को जम्मू-कश्मीर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण (राजपत्रित) सेवाओं में चिकित्सा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है, जिन्हें जमीनी स्तर पर चिकित्सा/स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए दूर-दराज/परिधीय स्वास्थ्य सुविधाओं में तैनात किया गया है।उन्होंने यह भी बताया कि विभाग 91 चयनित चिकित्सा अधिकारियों के संबंध में प्रतीक्षा सूची संचालित करने की प्रक्रिया में है, जिनकी सेवाओं का उपयोग केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के वंचित क्षेत्रों में भी किया जाएगा।

देसी पिस्तौल, सात जिंदा कारतूस और हेरोइन के साथ दो बदमाश गिरफ्तार

कठुआ/सांबा 10 मार्च । सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन रामगढ़ के अधिकार क्षेत्र में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक 32 बोर की देसी पिस्तौल, सात जिंदा कारतूस, धारदार हथियार सहित लगभग 8.13 ग्राम हेरोइन बरामद की है। जानकारी के अनुसार पुलिस स्टेशन रामगढ़ को विश्वसनीय स्रोतों से सूचना मिली थी कि दो बदमाश प्रीतम सिंह उर्फ सेठी पुत्र मोहन सिंह निवासी जेरडा तहसील रामगढ़ जिला सांबा और नारायण शर्मा उर्फ शुन्ना पुत्र बृता लाल निवासी थलोरी विजयपुर आपराधिक इरादे से और अवैध हथियारों के साथ अनूप सिंह उर्फ मक्खन पुत्र बलविंदर सिंह निवासी रामगढ़ के घर में मौजूद हैं और जघन्य अपराध करने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एसएसपी सांबा की समग्र निगरानी में एसएचओ पुलिस स्टेशन रामगढ़ के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने दोनों गैंगस्टरों अनूप सिंह उर्फ मक्खन के घर से गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक 32 बोर की देसी पिस्तौल, 07 जिंदा राउंड, एक तेज धार वाला हथियार और लगभग 8.13 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया। इसी के साथ-साथ वाहन थार रजिस्ट्रेशन नंबर जेके21जे-

0024 को भी जब्त कर लिया गया है। इस संबंध में पुलिस स्टेशन रामगढ़ में एफआईआर नंबर 17/2025 यू/एस 111 बीएनएस, 3/4/25 आर्म्स एक्ट, 8/21/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ-साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ-सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ-साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होा है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे - लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं - पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी-बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई-गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

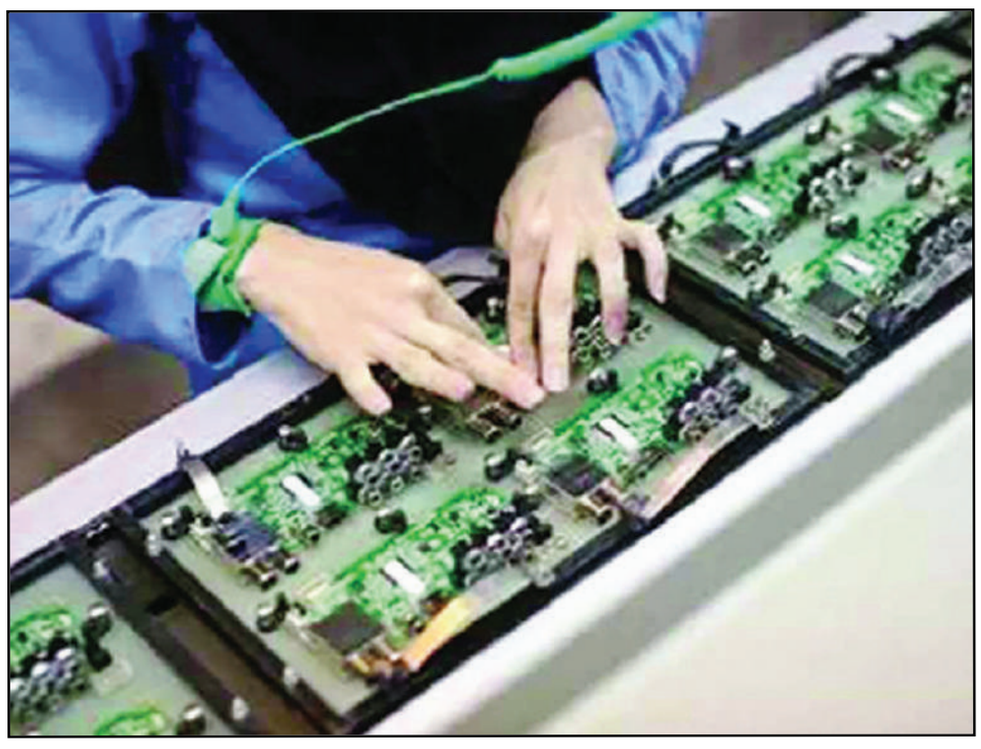

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी-खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

बारामुल्ला के चार क्षेत्रों में 196 सरकारी शैक्षणिक संस्थान कार्यरत हैं: सकीना इत्तू

जम्मू, 10 मार्च। शिक्षा मंत्री सकीना इतू ने कहा कि बारामुल्ला जिले के चार शैक्षणिक क्षेत्रों में 196 सरकारी शैक्षणिक संस्थान कार्यरत हैं, जिनमें बारामुल्ला, चंदूसा, पत्तोहगढ़, सिंहपोरा-कलां के शैक्षणिक क्षेत्रों में उच्चतर माध्यमिक, उच्च, मध्य और प्राथमिक विद्यालय शामिल हैं, जो जिले में शैक्षणिक सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

मंत्री ने बताया कि बारामुल्ला, चंदूसा और पत्तोहगढ़ क्षेत्रों में केवल तीन प्रिंसिपल और पांच हेडमास्टर के पद रिक्त हैं। मंत्री ने विधानसभा में जावेद हसन बेग द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मंत्री ने बताया कि बारामुल्ला जिले के शैक्षणिक क्षेत्रों में 22 इमारतों को असुरक्षित घोषित किया गया है।उन्होंने कहा कि भूकंप पुनर्निर्माण कार्यक्रम 2005 और एसएसए के तहत 29 निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं, ताकि बरमुल्ला में छात्रों को बेहतर शैक्षिक बुनियादी ढांचा सुविधाएं प्रदान की जा सकें। मंत्री ने आगे बताया कि समग्र शिक्षा, कैपेक्स और जिला कैपेक्स यूटी के तहत परित्यक्त भवनों के लिए नए भवनों का निर्माण और अधूरे भवनों को पूरा करने का प्रस्ताव किया जा रहा है।जबकि अन्य जिलों की तरह बारमुल्ला जिले में शिक्षण कर्मचारियों के युक्तिकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है और जल्द ही इसके प्रभावी होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों के दौरान जिला बारमुल्ला में डीपीसी द्वारा लगभग 90 निचले स्तर के शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को अगले उच्च स्तर पर पदोन्नत किया गया है। उन्होंने कहा कि भूकंप पुनर्निर्माण कार्यक्रम 2005 और एसएसए के तहत 29 निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं, ताकि बरमुल्ला में छात्रों को बेहतर शैक्षिक बुनियादी ढांचा सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

बेरोजगार युवाओं के लिए वेल्डिंग प्रशिक्षण आयोजित

राजौरी, 10 मार्च (हि.स.)। भारतीय सेना ने राष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रम के तहत समोट के बेरोजगार युवाओं के लिए वेल्डिंग पर प्रशिक्षण आयोजित किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्थानीय युवाओं में रोजगार क्षमता बढ़ाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए व्यावसायिक कौशल प्रदान करना था। यह प्रशिक्षण 19 जनवरी 2025 से 50 दिनों की अवधि के लिए निर्धारित किया गया था जिसमें आस-पास के गांवों के 15 उत्साही युवाओं को शामिल किया गया था। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में वेल्डिंग के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलू शामिल थे। इसके बाद राष्ट्रीय कौशल विकास केंद्र के प्रतिनिधियों द्वारा ऑन-द-जॉब प्रशिक्षण और मूल्यांकन किया गया। वेल्डिंग की बुनियादी बातों में पेशेवर प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के लिए एमएसएमई से एक अच्छी तरह से योग्य और अनुभवी प्रशिक्षक को लगाया गया था। सेना की इस पहल ने युवाओं को आवश्यक कौशल से सशक्त बनाया है जिससे वे रोजगार के अवसर तलाशने और आत्मनिर्भर बनने में सक्षम हुए हैं। प्रशिक्षण के सफल समापन पर प्रतिभागियों को राष्ट्रीय कौशल विकास केंद्र के तहत सत्यमेव जयते चैरिटी ट्रस्ट द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए जो भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के प्रशिक्षण महानिदेशालय के तहत पंजीकृत है। इस कौशल विकास पहल से बेरोजगार युवाओं के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है जिससे उन्हें रोजगार सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस किया जा सकेगा।

बीएमओ लखविंदर सिंह की अध्यक्षता में मनाया गया राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस

रामगढ़, 10 मार्च (हि.स.)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को आयोजित राष्ट्रीय कृमिनाशक दिवस के कार्यक्रम में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी डॉ. लखविंदर सिंह ने अग्रणी भूमिका निभाई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में आंतों के कीड़े संक्रमण को कम करना और उनसे होने वाले कुपोषण, एनीमिया तथा मानसिक विकास में बाधा जैसे गंभीर स्वास्थ्य जोखिमों से निपटना था।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह के सत्र से हुई जिसमें स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षकों, अभिभावकों और सामुदायिक कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर कार्यक्रम की महत्ता पर जोर दिया। डॉ. लखविंदर सिंह ने बताया कि आंतों के कीड़ों से होने वाले संक्रमण बच्चों के स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव डाल सकते हैं जिससे विकास में बाधा आती है। उन्होंने सभी माता-पिता से आग्रह किया कि वे इस मुहिम में सहयोग करें ताकि उनके बच्चे स्वस्थ और उन्नत विकास कर सकें।

इस राष्ट्रीय पहल के अंतर्गत रामगढ़ के विभिन्न स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में एल्बेंडाज़ोल टैबलेट का वितरण किया गया। 1 से 19 वर्ष तक के लगभग 5000 बच्चों को यह दवा दी गई जिससे आंतों के संक्रमण की रोकथाम में काफी मदद मिलेगी। बीएमओ लखविंदर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य शिविर भी लगाए गए है जहां बच्चों का संपूर्ण स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है और पोषण संबंधी सलाह भी प्रदान की गई है।

स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यह मुहिम पिछले कई वर्षों से चल रही है और इससे बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार देखने को मिला है। विशेषज्ञों का मानना है कि नियमित रूप से इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करने से न केवल बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि यह उनके शैक्षिक प्रदर्शन और सामाजिक विकास में भी सकारात्मक योगदान देगा। सामुदायिक स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यक्रम में कई स्वास्थ्य कार्यशालाएँ और संवाद सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों में स्वच्छता, पोषण और नियमित स्वास्थ्य जांच की आवश्यकता पर बल दिया गया।

भाजपा जोड़ियां मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित विधायक मोहन लाल ने किया सम्मानित

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जोड़ियां मंडल की ओर से एक भव्य जनसभा का आयोजन किया गया जिसका नेतृत्व मंडल अध्यक्ष नीरज शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में अखनूर के विधायक मोहन लाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि भाजपा जिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने इसकी अध्यक्षता की। कार्यक्रम की शुरुआत में नीरज शर्मा ने सभी अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और भाजपा की विचारधारा को सशक्त बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया।

इस अवसर पर भाजपा जोड़ियां मंडल की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसके तहत राकी गुप्ता और राकेश भगत को महामंत्री नियुक्त किया गया, सोनिया शर्मा, सुभाष शर्मा, नरेन्द्र कुमार और कुलदीप जी को उपाध्यक्ष बनाया गया। जोगराज चौधरी, शारदा देवी, तरसेम शर्मा और रेखा देवी को सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई जबकि अंजलि देवी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा जोगीन्द्र सिंह को प्रवक्ता काली शर्मा को मीडिया सचिव नीरज कुमार शर्मा को सोशल मीडिया सचिव यशपाल जी को प्रचार सचिव और साहिल जगवाल को सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ प्रभारी बनाया गया।

विधायक मोहन लाल ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है जहां संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को उचित स्थान और सम्मान मिलता है। उन्होंने कहा कि जोड़ियां मंडल की नई कार्यकारिणी से पार्टी को और अधिक मजबूती मिलेगी और ये सभी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश के विकास के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा जन-जन तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका होती है और इस दिशा में यह टीम पूरी लगन से कार्य करेगी।

जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन जम्मू ने महंत रोहित शास्त्री को किया सम्मानित

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट बार एसोसिएशन जम्मू ने श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट राष्ट्रयपुर ठठर बनतालाब, जम्मू और कश्मीर के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री (राज्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता) को एक विशेष समारोह में सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में बार के अध्यक्ष एडवोकेट निर्मल कोतवाल, उपाध्यक्ष एडवोकेट बलदेव सिंह, महासचिव एडवोकेट प्रदीप मजोत्रा, संयुक्त सचिव एडवोकेट अंशु महाजन और कोषाध्यक्ष एडवोकेट राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे। इस सम्मान समारोह का मुख्य उद्देश्य महंत रोहित शास्त्री के देववाणी संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन में अनुकरणीय योगदान को मान्यता देना था। महंत रोहित शास्त्री ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और भारतीय परंपराओं को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं जिससे युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने की प्रेरणा मिली है। इस अवसर पर एडवोकेट निर्मल कोतवाल ने कहा कि महंत रोहित शास्त्री द्वारा संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए किया गया कार्य सराहनीय है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक भाषा नहीं है बल्कि यह भारतीय संस्कृति और सभ्यता की आत्मा है जिसे संरक्षित और समृद्ध करने की आवश्यकता है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस सीमावर्ती और दूरदराज क्षेत्रों के विकास लिए प्रतिबद्ध

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने जम्मू-कश्मीर में ग्रामीण, सीमावर्ती और दूरदराज के क्षेत्रों के लिए समान विकास और प्रगति सुनिश्चित करने के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। वे जम्मू में शेर-ए-कश्मीर भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान एक सभा को संबोधित कर रहे थे। सोमवार को मनोज कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पंचों और सरपंचों सहित समर्थकों के साथ बिलावर के प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता बाबू रामपॉल पूर्व मंत्री और सेंट्रल जोन के अध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। नए सदस्यों का स्वागत करते हुए एडवोकेट रतन लाल गुप्ता ने पिछली सरकार की खोखली नीतियों की आलोचना की जिसने युवाओं और ग्रामीण आबादी को संकट में डाल दिया है।

'जम्मू को अलग होने के लिए मजबूर किया जा रहा है'

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। हाल ही में पेश बजट में जम्मू संभाग की बेहतरी व अर्थव्यवस्था को गति देने की तमाम दावे एक बार फिर हवाई साबित हुए हैं। लद्दाख की तरह जम्मू संभाग को भी अपने हकों के लिए अलग राज्य की मांग पर मजबूर किया जा रहा है। यह कहना है शिवसेना (यूबीटी) जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी का। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने कहा कि जम्मू संभाग के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का नजरिया जस का तस है। हाल ही में उमर सरकार द्वारा पेश बजट में जम्मू के पर्यटन, धार्मिक स्थलों के विकास व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए किसी विशेष पैकेज की घोषणा नहीं की गई। वहीं किसानों की लाईफ लाईन रणबीर कनाल व डोगरा विरासत स्थलों की देख-रेख पर भी कोई विशेष राशि की घोषणा नहीं हुई। डोगरी भाषा व सांस्कृति के प्रोत्साहन के लिए भी सरकार समेत भाजपा विधायक खामोशी ओड़े रहे। मंदिरों के शहर जम्मू में शराबबंदी पर हो-हल्ला भी विक्रेताओं पर दबाव की राजनीति से आगे नहीं बढ़ा। साहनी ने कहा कि समय आ चुका है कि जम्मू संभाग अपने हकों के लिए आवाज बुलंद करे। साहनी ने कहा कि समय आ चुका है कि जम्मू के हितैषी संगठन एकजुटता के साथ जम्मू संभाग के हकों के लिए आवाज बुलंद करें। साहनी ने कहा कि बजट सत्र के सम्पन्न होते ही शिवसेना व सैनिक समाज पार्टी द्वारा संयुक्त रूप से जम्मू को दो अपना हक अभियान के तहत जम्मू को स्थाई राजधानी बनाने व अलग राज्य का दर्जे की मांग पर जनभावना को जानने का प्रयास किया जाएगा।

सत शर्मा ने बलबीर की डोगरी कविताओं के दूसरे संस्करण का किया विमोचन

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा (सीए) ने पूर्व मंत्री चौधरी सुखनंदन कुमार और अन्य प्रमुख नेताओं के साथ एक सादे साहित्यिक कार्यक्रम में बलबीर राम रतन द्वारा लिखित डोगरी कविताओं के दूसरे संस्करण का विमोचन किया।

विमोचन समारोह के दौरान सत शर्मा (सीए) ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गुरु रविदास ने मानवता, समानता और भक्ति का संदेश फैलाया। उन्होंने जाति-आधारित भेदभाव का विरोध किया और प्रेम, करुणा और सत्य का उपदेश दिया। उनका मानना ??था कि ईश्वर एक है और सभी मनुष्य समान हैं। उनकी शिक्षाएं समाज में सद्भाव को बढ़ावा देती हैं।

बलबीर के साहित्यिक योगदान की प्रशंसा करते हुए सत शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि वे गुरु रविदास जी की शिक्षाओं और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं और महान संतों के जीवन को संरक्षित और बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा डोगरी हमारी पहचान का एक अभिन्न अंग है और इस तरह के साहित्यिक कार्य हमारी विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए जीवित रखने में मदद करते हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भाजपा क्षेत्रीय भाषाओं और प्राचीन साहित्य का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व मंत्री चौधरी सुखनंदन कुमार ने कवि की भक्ति और साहित्यिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी कविताएँ परंपराओं और भावनाओं को दर्शाती हैं।

स्वर्गीय गिरधारी लाल डोगरा की बेटी ने छात्रों को वित्तीय सहायता वितरित की

कठुआ 10 मार्च (हि.स.)। गिरदारी लाल डोगरा मेमोरियल ट्रस्ट ने गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज हीरानगर के मेधावी छात्रों को मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति योजना के तहत वित्तीय सहायता वितरित की। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र के योग्य छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को सहायता प्रदान करना है। प्रसिद्ध समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ और माटी के लाल स्वर्गीय गिरधारी लाल डोगरा की बेटी निधि डोगरा शर्मा ने मुनीश डोगरा के साथ मिलकर 49 छात्रों को छात्रवृत्ति चेक वितरित किए। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के छात्र, शिक्षक और कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान निधि डोगरा शर्मा ने हीरानगर से अपने गहरे जुड़ाव को व्यक्त किया और क्षेत्र के छात्रों की सहायता करने में अपनी खुशी साझा की। उन्होंने छात्रों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने और उत्कृष्टता के लिए प्रयास जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा के मैं हीरानगर के साथ एक मजबूत रिश्ता महसूस करती हूं और इन छात्रों के भविष्य को आकार देने में मदद करने से मुझे बहुत खुशी मिलती है।कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने मेहमानों का स्वागत किया और वित्तीय सहायता के माध्यम से छात्रों को प्रेरित करने में ट्रस्ट के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट हमेशा शिक्षा के महत्व को पहचानने में अग्रणी रहा है और जरूरतमंद छात्रों को अटूट समर्थन दिखाया है। इस समारोह में कई प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम की कार्यवाही का संचालन छात्रवृत्ति समिति के संयोजक प्रोफेसर राकेश शर्मा ने किया, जबकि पर्यावरण विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रोफेसर नीरू शर्मा ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन किया।

महिला अधिकारों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

कठुआ 10 मार्च (हि.स.)। जीडीसी महानपुर की महिला सशक्तिकरण समिति ने डॉ राधा कृष्णन लाइब्रेरियन के सहयोग से 08 से 12 मार्च तक जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के संबंध में महिला अधिकार विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

इसका आयोजन कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ संगीता सूदन के मार्गदर्शन में डॉ सपना (संयोजक महिला सशक्तिकरण समिति और डॉ निशा (लाइब्रेरियन) द्वारा किया गया। डॉ निशा ने एक वीडियो के माध्यम से महिला अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि महिला अधिकार मानवाधिकार हैं जो एक स्वतंत्र और समान समाज के लिए आवश्यक हैं। वे सतत विकास, आर्थिक विकास और शांति के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ सदस्यों के साथ 30 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। पूरे कार्यक्रम की मेजबानी डॉ. सपना ने की और औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बबली ने प्रस्तुत किया।

भाजपा ने पंडितों पर तारिक कर्रा के अज्ञानतापूर्ण शरारती बयान की निंदा की

जम्मू, 10 मार्च (हि.स.)। पूर्व एमएलसी और भाजपा प्रवक्ता गिरधारी लाल रैना ने जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा के विधानसभा में दिए गए बयान की कड़ी निंदा की है। पीसीसी प्रमुख वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित बजट पर अपने भाषण के दौरान कश्मीरी पंडित समुदाय का जिक्र कर रहे थे। विस्थापित कश्मीरी पंडित समुदाय के मतदान और वोटों पर उनकी टिप्पणी अज्ञानता और शरारत से भरी थी। तारिक कर्रा ने अप्रत्यक्ष रूप से कश्मीर फाइल्स फिल्मों का भी जिक्र किया। इससे साफ पता चलता है कि विस्थापित समुदाय के लिए उनकी प्रत्यक्ष चिंता दिखावटी और सतही थी जिसका उद्देश्य राजनीतिक उद्देश्य हासिल करना था जीएल रैना ने कहा

इस बात पर आश्चर्य जताते हुए कि कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष विस्थापित समुदाय के वोटों के बारे में इतने अज्ञानी कैसे हो सकते हैं पूर्व एमएलसी ने याद दिलाया कि विस्थापन की शुरुआत से ही कश्मीरी पंडित कश्मीर में अपने मूल क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों के सामान्य मतदाता रहे हैं। जीएल रैना ने याद किया कि भारत के चुनाव आयोग ने 1996 में विस्थापित समुदाय के मतदान के लिए एक विशेष तंत्र तैयार किया था क्योंकि समुदाय अपने मूल स्थान पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने में सक्षम नहीं था और न ही उन्होंने मूल स्थान पर वापस लौटने का संकल्प छोड़ा था।

सेना ने किश्तवाड़ के चिंगम में क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की

किश्तवाड, 10 मार्च (हि.स.)। सेना ने किश्तवाड़ के चिंगम में क्विज़ प्रतियोगिता आयोजित की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाना और उनके मानसिक विकास में सहायता करना था। बच्चों ने इस कार्यक्रम में बहुत उत्साह के साथ भाग लिया। इससे एक बार फिर साबित हुआ कि अवसर और मंच मिलने पर बच्चे अपनी अंतर्निहित प्रतिभा को दिखाने में सक्षम होते हैं। चिंगम क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के 36 लड़के और 22 लड़कियों सहित कुल 07 शिक्षकों और 58 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। बच्चों और स्कूल स्टाफ ने इस तरह के आयोजन के लिए सेना को धन्यवाद दिया। यह पहल और इसी तरह के और भी कार्यक्रम छात्रों को उनके तर्क कौशल को विकसित करने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में प्रोत्साहित करने में काफ़ी मददगार साबित होंगे

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI MECH.
G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/240 OF 2024-25 DATED 08.03.2025

On behalf of the Lt. Governor, UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms with Jal Shakti PHE/I&FC Deptt. J&K Govt. who have sufficient experience in the field of drilling and are well equipped with drilling Rigs suitable for ODEX method of drilling.

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee (In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Deep Drilling of 125 mm dia Bore Holes by using ODEX method including providing, installation, testing, commissioning of Mark–II Hand Pumps and construction of platforms at (02 Different Locations) in District Kathua on Turnkey Basis (EPC) under District Capex Budget 2024-25	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	1000.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	02 Nos	Rs. 1154300.00 lacs	@ 2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division	31st March 2025

1. The complete bidding process shall be online.
2. Bid documents can be seen and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 08.03.2025 to 15.03.2025.
3. The pre bid meeting if desired by the participating firms shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 10.03.2025 (1300 hrs).
4. The bids shall be submitted/uploaded from the website http://jktenders.gov.in from 10.03.2025 (1400 hrs) to 15.03.2025 (1400 hrs).

GWD/8487-89 DATED: 08.03.2025

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech.
G.W.D. Division
Jammu

DIP/J-10914/24
Dtd: 10-3-2025

श्मशान घाट से पेड़ काटने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग, प्रदर्शन

आरएस पुरा, 10 मार्च (हि.स.)। गांव मोटे के पास स्थित श्मशानघाट में लगे पेड़ों को काटने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर सोमवार को क्षेत्र के लोगों ने जोरदार तरीके के साथ प्रदर्शन किया और चेतावनी देते हुए कहा कि अगर पेड़ काटने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन की अध्यक्षता पंचायत के पूर्व सरपंच ओंकार सिंह एवं किसान नेता चौधरी मोहन सिंह कर रहे थे जबकि इस मौके पर काफी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। इस मौके पर पूर्व सरपंच ओंकार सिंह ने कहा कि गांव मोटे के पास शमशान घाट में लगे पेड़ों को कुछ लोगों द्वारा काट दिया गया और पंचायत के लोगों ने इस बात की शिकायत जब प्रशासन से की तो प्रशासन ने फिलहाल इस काम को रुकवा दिया है लेकिन हम चाहते हैं कि पेड़ों की कटाई करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि गांव मोटे स्थित श्मशान घाट में पिछले लंबे समय से सफेदे के पेड़ लगे हुए हैं और गांव के लोग ही उनकी देखभाल करते हैं लेकिन गत दिवस कुछ लोगों ने मजदूर लगाकर पंचायत की अनुमति के बिना ही इन पेड़ों की कटाई शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि इस घिनौनी हरकत के पीछे कौन लोग जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि आज पेड़ों की कटाई शुरू हुई है और आने वाले दिनों में यही लोग शमशान घाट एवं कब्रिस्तान की भूमि पर भी कब्जा कर सकते हैं

दो दर्जन से अधिक लोग हुए बसपा में शामिल

आरएस पुरा, 10 मार्च (हि.स.)। प्रदेश बहुजन समाज पार्टी की तरफ से पार्टी संस्थापक कांशी राम की जयंती 15 मार्च को जिला मुख्यालय तथा क्षेत्रीय मुख्यालय में कार्यक्रमों का आयोजन कर मनाई जाएगी और इस दिन पार्टी की तरफ से पार्टी को मजबूत करने के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे।

सोमवार को पार्टी के जम्मू कश्मीर अध्यक्ष दर्शन राणा की अध्यक्षता में क्षेत्र में आयोजित बैठक में पार्टी संस्थापक कांशी राम की जयंती को मानने को लेकर विचार विमर्श किया गया। वहीं विश्नाह विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान काफी संख्या में लोग अन्य राजनीतिक दल छोड़कर बहुजन समाज पार्टी में शामिल हो गए जिनका पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने जोरदार तरीके के साथ स्वागत किया।वहीं इस मौके पर बैठक को संबोधित करते हुए बसपा प्रदेश प्रमुख दर्शन राणा ने कहा कि पार्टी संस्थापक कांशी राम की जयंती 15 मार्च को मनाई जाएगी और इस सिलसिले में जिला जम्मू के पार्टी कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ देश के विकास तथा उन्नति में उनके द्वारा दिए गए योगदान पर भी चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के अलावा क्षेत्रीय स्तर पर भी कार्यक्रमों का आयोजन कर पार्टी संस्थापक को याद किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पार्टी को मजबूती प्रदान करने के मकसद से इस दिन विशेष अभियान चलाने की घोषणा भी की जाएगी। वहीं पार्टी में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि आज विभिन्न राजनीतिक दल छोड़कर लोग बहुजन समाज पार्टी में शामिल हुए हैं

संपादकीय

ड्रग माफिया द्वारा महिलाओं, बच्चों का शोषण

राजौरी जिले में एक महिला ड्रग तस्कर की गिरफ्तारी ने एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों की बदलती रणनीति को उजागर किया है। इस तथ्य को देखते हुए कि ड्रग माफिया लगातार क्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी और वितरण के लिए नई रणनीतियों पर भरोसा कर रहे हैं, यह जरूरी हो गया है कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस खतरे से अधिक प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अपने दायरे को व्यापक बनाना चाहिए।

ड्रग्स के संबंध में स्थिति अनियंत्रित रूप से बिगड़ गई है क्योंकि यूटी की विधानसभा से लेकर छोटे घरों, कर्णधारों, पुलिसकर्मियों और आम आदमी सभी इस मुद्दे पर लगातार चर्चा कर रहे हैं क्योंकि इस संकट ने हाल ही में पूरे केंद्र शासित प्रदेश को जकड़ लिया है, जो एक बहुत ही भयावह तस्वीर पेश करता है क्योंकि हर गली-मोहल्ले में ड्रग्स की आसान उपलब्धता ने परिवारों को बर्बाद कर दिया है और युवा अक्सर ड्रग तस्करों के शिकार बन रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर में ड्रग तस्करी के गिरोहों में महिलाओं, बच्चों और यहां तक ??कि बुजुर्गों को शामिल करने वाले बड़े ड्रग कार्टेल चलाने वालों की नई कार्यप्रणाली सुरक्षा जांच के लिए अधिक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित करती है। हालांकि कमजोर समूहों की तलाशी लेने का विचार चिंता पैदा कर सकता है, लेकिन यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि ड्रग कार्टेल उम्र या लिंग की परवाह किए बिना किसी का भी शोषण करने के लिए तैयार रहते हैं ताकि वे पकड़े जाने से बच सकें।

कथित तौर पर, राजौरी में एक महिला ड्रग पेडलर की गिरफ्तारी के बाद, कई लोगों को आश्चर्य हुआ, पुलिस ने उसके कब्जे से 17 ग्राम हेरोइन, 138 ग्राम मादक पाउडर जैसा पदार्थ, 121 साइकोट्रोपिक प्रतिबंधित गोलियां, छह डिजिटल वजन करने वाली मशीनें और फॉयल पेपर के तीन रोल बरामद किए, जो स्पष्ट रूप से क्षेत्र में ड्रग-तस्करी और वितरण में उसकी सक्रिय भागीदारी का संकेत देते हैं।

हालांकि यह एक अजीबोगरीब मामला है, लेकिन यह कानून प्रवर्तन एजेंसियों को नशीली दवाओं के खतरे से लड़ने की अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर करता है, क्योंकि अपराधी महिलाओं, बच्चों और वृद्ध लोगों को पैसे का लालच देकर या किसी अन्य मजबूरी के जरिए नशीली दवाओं की तस्करी के लिए अपने माध्यम के रूप में काम करने के लिए मना सकते हैं। इसलिए कानून लागू करने वाली एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जांच के दौरान किसी को भी उचित तलाशी के बिना जाने की अनुमति न दी जाए, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं के संबंध में स्थिति बहुत गंभीर है और किसी भी तरह की लापरवाही इस खतरे को रोकने के सार्वजनिक उद्देश्य को और नुकसान पहुंचा सकती है। जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। समय की मांग है कि अधिक सतर्क, व्यापक और अनुकूल दृष्टिकोण अपनाया जाए, जिससे तस्करों को फायदा उठाने का कोई मौका न मिले। केंद्र शासित प्रदेश के युवाओं की सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के लिए नशा मुक्त भविष्य सुनिश्चित करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को चुनौती का सामना करना चाहिए

हारे का सहारा हैं खाटू के श्री श्याम

रमेश सर्राफ धमोरा

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेद्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनों लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुई। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया।

राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर, बाबा श्याम जी के लिए प्रसिद्ध है। यह मंदिर भारत के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में गिना जाता है। खाटू श्याम जी को भगवान श्रीकृष्ण का कलयुगी अवतार माना जाता है। दानशीलता के कारण बर्बरीक ने बिना किसी सवाल के अपना शीश भगवान श्रीकृष्ण को दान दे दिया। इसी दानशीलता के कारण श्रीकृष्ण ने कहा कि तुम कलयुग में मेरे नाम से पूजे जाओगे। तुम कलयुग का अवतार कहलाओगे और हारे का सहारा बनोगे। इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है। खाटू श्याम जी के मंदिर में दर्शन के लिए हर दिन लाखों भक्त आते हैं। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला लगता है, जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 30 लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है।

इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते हैं। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेद्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनों लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे।

कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुई। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया।

महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोड़े पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान श्रीकृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापस तरकश में ही आयेगा। यदि उन्होंने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनों लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी कि इस पीपल के पेड़ के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तों की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड़ के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होंने अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा।

कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की ओर अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा।

ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होंने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होंने बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्रीकृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे।

युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खिंचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है, उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध में विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी, बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ।

एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चौहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सजग है। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को काफी सुविधा हो रही है। सरकार ने मंदिर परिसर क्षेत्र के विकास की घोषणा की है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

सवाल संसदीय परंपरा का ही

मनोज कुमार मिश्र

सत्र का सत्रावसान इसलिए भी जरूरी है कि जब सत्र न चल रहा हो तो आपात काल में सरकार अध्यादेश ला सके। जब प्राकृतिक या कोई आपदा होगी तब सत्र बुलाना संभव वहीं होगा। सत्रावसान के बिना कोई फैसला पहले सदन में लिया जाता है और फिर उसे लागू किया जाता है। सत्रावसान हुआ नहीं और सदन चल रहा नहीं, ऐसे में तो आआपा सरकार ने सदन को भी मजाक बना दिया था। सत्र शुरू तो होता था लेकिन सत्रावसान होता ही नहीं था। जिस उप राज्यपाल के नाम पर विधानसभा की बैठक बुलाई जाती है, उनकी निंदा करने के लिए बैठक बुलाई गई। एक बार तो सारी मर्यादाएं तोड़ दी गई जब विधानसभा के भीतर उप राज्यपाल को हटाने के लिए सारी रात धरना दिया गया। विधानसभा परिसर में पहली बार आआपा विधायकों ने धरना देकर विधानसभा की परंपरा और मर्यादाओं को तार-तार किया।

लगातार दो बार प्रचंड बहुमत से दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने वाली आम आदमी पार्टी आआपा आसानी से इस बार विधानसभा चुनाव में हुई हार को पचा नहीं पा रही है। जिसके कार्यकाल में विधानसभा और संसदीय मर्यादा तार-तार हुई हो उसी पार्टी ने विधानसभा की पहली ही बैठक में उसके शासन के भ्रष्टाचार के कारनामों से जुड़े सीएजी कैग रिपोर्ट सार्वजनिक करने से बौखला कर विधानसभा को दंगल बनाने की असफल कोशिश की। विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने आआपा विधायकों को विधानसभा के साथ-साथ विधानसभा परिसर से निकाल दिया तो पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी समेत आआपा नेताओं ने इसे संसदीय लोकतंत्र पर हमला बताया।

उनके अपने कार्यकाल में न तो नियमों के हिसाब से विधानसभा की बैठक बुलाई जाती थी और न ही विपक्ष को किसी सत्र में ढंग से बोलने दिया जाता था। विपक्ष यानी भाजपा के सदस्य ज्यादातर बैठकों में सदन से बाहर ही रहे। 1993 में दिल्ली विधानसभा का मौजूदा स्वरूप बनने के बाद इसकी नियमावली बनानेवाले दिल्ली विधानसभा और लोकसभा के पूर्व सचिव सुदर्शन कुमार शर्मा का कहना है कि विधानसभा से निष्कासन का मतलब विधानसभा परिसर से निष्कासन हो सकता है- इस पर चर्चा हो सकती है लेकिन वे कैसे सवाल उठा सकते हैं, जिन्होंने विधानसभा में कोई नियम ही लागू नहीं होने दिया। तभी तो दिल्ली संशोधन विधेयक पर बिल पास करवाने से पहले केन्द्रीय गृह मंत्री ने चेतावनी दी थी कि कहीं नियमों को न मानने वालों की सरकार विधानसभा से ही हाथ धो बैठे।

आआपा के दिल्ली पर शासन के दौरान दिल्ली में तीन उप राज्यपाल बने और तीनों से उनकी लड़ाई चलती ही रही। आआपा ने कई नई परंपराएं शुरू करके संवैधानिक व्यवस्थाओं को खतरे में डाल दिया था।

2012 में नई पार्टी बनकर पहले 2013 में अल्पमत सरकार नियमों के खिलाफ बिना उप राज्यपाल की अनुमति से जन लोकपाल विधेयक विधानसभा में न लाने देने पर 49 दिन में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया। नियमों से परे जाकर सार्वजनिक अवकाश के दिन रामलीला मैदान में विधानसभा बुलाने पर केजरीवाल अड़े रहे। यह अलग बात है कि दो बार भारी बहुमत से सरकार बनने बाद दोबारा उनकी सरकार ने जन लोकपाल की चर्चा भी नहीं की गई। खुद अपने लोकपाल को पार्टी से ही विदा कर दिया। विधान में विधानसभा की बैठक अधिकतम छह महीने पर बुलाने का प्रावधान है। इसी के चलते लोकसभा से विधानसभा तक साल में तीन सत्र होते हैं। साल के शुरू में होने वाली बैठक को बजट सत्र कहा जाता है और उसकी शुरुआत संसद में राष्ट्रपति और दिल्ली में उप राज्यपाल के अभिभाषण से होता है।

परंपरा के तौर पर सरकार के कामकाज को ही अभिभाषण में जगह दी जाती है। उस सत्र में इस प्रस्ताव को पास करवाने से लेकर बजट पास किया जाना मुख्य काम रहता है। जुलाई-अगस्त में होने वाले सत्र को मानसून और नवंबर-दिसंबर में होने वाले सत्र को शीतकालीन सत्र कहा जाता है। हर सत्र को बुलाने और सत्रावसान करने के लिए मंत्रिमंडल अपना प्रस्ताव उप राज्यपाल को भेजती है। अमूनन उस पर उप राज्यपाल की तुरंत मंजूरी आ जाती है। विशेष परिस्थिति में विशेष सत्र की भी इजाजत उसी तरह से ली जाती है। पिछली सरकारें गिनती के लिए विशेष बैठक बुलाई थी।

दिल्ली में विधानसभा बनने पर 1993 में पहली सरकार भाजपा की बनी। पांचों साल भाजपा सरकार ने नियमों का पालन करके अधिकतम तीन-तीन बार बैठक बुलाई। 1998 में शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस की सरकार बनी। 15 साल के शासन में कांग्रेस सरकार ने तीन बार एक-एक दिन का विशेष सत्र भी नियमों के हिसाब से उप राज्यपाल की अनुमति लेकर बुलाई। आआपा ने तो कोई नियम और परंपरा के हिसाब से चलना स्वीकार नहीं किया।

पूरे दस साल आआपा सरकार साल के शुरू में उप राज्यपाल का अभिभाषण कराना अनिवार्य होने से एक सत्र नियमानुसार बुलाती थी। बाद में उसी का विस्तार करके केवल विधानसभा अध्यक्ष को कह कर कई-कई बैठकें बुलाती थी। नियमित सत्र एक होता था और विशेष अनगिनत। आआपा सरकार ने साल 2015 और 2017 में सात-सात बार, 2016 में छह बार और 2023 में पांच बार बैठक हुई लेकिन सत्र एक ही रहा।

सत्र का सत्रावसान इसलिए भी जरूरी है कि जब सत्र न चल रहा हो तो आपात काल में सरकार अध्यादेश ला सके। जब प्राकृतिक या कोई आपदा होगी तब सत्र बुलाना संभव वहीं होगा। सत्रावसान के बिना कोई फैसला पहले सदन में लिया जाता है और फिर उसे लागू किया जाता है। सत्रावसान हुआ नहीं और सदन चल रहा नहीं, ऐसे में तो आआपा सरकार ने सदन को भी मजाक बना दिया था। सत्र शुरू तो होता था लेकिन सत्रावसान होता ही नहीं था। जिस उप राज्यपाल के नाम पर विधानसभा की बैठक बुलाई जाती है, उनकी निंदा करने के लिए बैठक बुलाई गई। एक बार तो सारी मर्यादाएं तोड़ दी गई जब विधानसभा के भीतर उप राज्यपाल को हटाने के लिए सारी रात धरना दिया गया। विधानसभा परिसर में पहली बार आआपा विधायकों ने धरना देकर विधानसभा की परंपरा और मर्यादाओं को तार-तार किया।

जुलाई, 2018 को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने4 अगस्त, 2016 के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि गैर आरक्षित विषयों में दिल्ली की सरकार फैसला लेने के लिए स्वतंत्र है। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि दिल्ली सरकार का मतलब उप राज्यपाल है।

तब तक दिल्ली सरकार की उप राज्यपाल से इस कदर टकराव बढ़ा थी कि उप राज्यपाल ने आरक्षिक विषयों पर सरकार और विधानसभा में चर्चा करानी तक बंद करवा दी थी। उसके बाद पिछले साल मार्च महीने में संसद के दोनों सदनों से 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली संशोधन-2021' विधेयक पास करवाकर उप राज्यपाल को पहले से ज्यादा ताकतवर बना दिया। इसी बदलाव के चलते हर फैसले में उप राज्यपाल की सहमति जरूरी है। लोकसभा में दिल्ली सरकार में काबिज आआपा का कोई सांसद न होने के चलते इस संशोधन विधेयक का विरोध कांग्रेस जैसे विरोधी दल ही कर पाए, राज्य सभा में अन्य विपक्षी दलों के साथ-साथ आआपा के सांसदों ने विरोध किया। उसके जवाब में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अन्य बातों के अलावा यह भी कह दिया कि नगर निगम एकीकरण के ज्यादा विरोध में कहीं अपनी सरकार न गंवा बैठें। वैसे बाद में इस पर न तो कोई सफाई आई न चर्चा हुई लेकिन पिछले कुछ सालों से चल रहे हालात से यह चर्चा तेज हो गई थी कि कहीं विधानसभा खत्म हो जाए और फिर से महानगर परिषद् जीवित हो जाए। जिसे खत्म करके ही 1993 में विधानसभा दी गई थी।

संविधान के जानकार सुदर्शन कुमार शर्मा ने तभी कहा था कि संविधान के जिस 69 वे संशोधन के तहत दिल्ली को विधानसभा मिली, उसमें यह भी लिखा हुआ है कि इसमें कोई भी संशोधन मूल विधान में संशोधन माना जाएगा। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ज्यादा बदलाव कर पाएगी, इसमें संदेह है। यही हुआ भी। आजतक उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। एक समय यह था कि विधानसभा की 1993 में नियमावली बनाते समय तब के उप राज्यपाल पीके दवे ने दिल्ली की पहली निर्वाचित सरकार के अनुरोध पर आरक्षित विषयों- जमीन दिल्ली विकास प्राधिकरण, कानून- व्यवस्था और दिल्ली पुलिस के कामकाज पर भी विधानसभा में उसी तरह से चर्चा करने के लिए विधान बनाने की आजादी दी जैसे अन्य विषयों में चर्चा करने का प्रावधान नियमावली में बन रहा था। विधानसभा में आराम से आरक्षित विषयों पर चर्चा होती थी। जिस तरह बाकी विभाग प्रमुख प्रश्नकाल या चर्चा के समय विधानसभा के अधिकारी दीर्घा में मौजूद रहते थे उसी तरह से दिल्ली पुलिस आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण डीडीए उपाध्यक्ष आदि मौजूद रहते थे। आआपा सरकार के दिनों में तो यह कोई सोच ही नहीं सकता था। इतना ही नहीं, तब के मुख्यमंत्री मदनलाल खुराना के अनुरोध पर दिल्ली सरकार के आलाधिकारियों के एसीआर सालाना गोपनीय रिपोर्ट लिखने का अधिकार मुख्यमंत्री और मंत्रियों को दे दिया था। उप राज्यपाल केवल कुछ अधिकारियों के रिपोर्ट को रिव्यू (फिर से जांच) करते थे। जबकि अधिकारी यानी सेवाएं आरक्षित विषय है। शायद दिल्ली में 27 साल बाद बाजपा सरकार बनने और केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में मजबूत सरकार होने के चलते लोगों में यह उम्मीद जग रही है कि दिल्ली विधानसभा में फिर से 1993-98 वाले दिन लौटें।

दिल्ली में 27 साल बाद पिछले महीने रेखा गुप्ता की अगुवाई में भाजपा सरकार बनी है। 24 फरवरी से तीन मार्च तक विधानसभा की पहली बैठक विधायकों के शपथ लेने, विधानसभा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के चुनाव के अलावा उपराज्यपाल के अभिभाषण के लिए बुलाई गई थी। लगे हाथ आआपा सरकार में सार्वजनिक करने से रह गई सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा करवा दी गई। अभी कई विभागों की रिपोर्ट इस महीने होने वाले बजट सत्र में लाने की चर्चा है। सीएजी रिपोर्ट ने कट्टर ईमानदार होने का फर्जी दावा करने वाली आआपा सरकार के भारी भ्रष्टाचारी होने पर मुहर लगा दी। पार्टी के एकछत्र नेता अरविंद केजरीवाल खुद विधानसभा चुनाव हार कर सदन से बाहर हो गए हैं। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और अन्य नेताओं के पास विधानसभा में हंगामा करने के अलावा कोई रास्ता बचा नहीं है। कभी किसी महापुरुष के फोटो का स्थान बदलने पर तो कभी परिसर में प्रवेश को मुद्दा बनाकर शोर मचाकर मीडिया में अपनी उपस्थिति बनाए रखना चाहते हैं। ये वही नेता हैं जो मीडिया के बूते सड़क से सरकार में आए और आते ही मीडिया पर तमाम पाबंदियां लगा दी। मीडिया की दिल्ली सचिवालय तक में निर्बाध पाबंदी रोक दी गई। अब अपने को पीड़ित बताकर फिर से उसी मीडिया के कंधों पर सवार होकर सत्ता की सीढ़ी चढ़ना चाहते हैं। जिन लोगों ने संसदीय मर्यादाओं का उल्लंघन किया, उसे मजाक बनाया, वही नेता अपनी मनमानी रोकने पर संसदीय मर्यादाओं की दुहाई देकर मीडिया और जनता से सहानुभूति पाना चाहते हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार के कार्यकारी संपादक हैं।)

न्यूजीलैंड की महिला टीम ने श्रीलंका को 98 रनों हराया

एजेंसी

नेल्सन। जॉर्जिया प्लिमर (112) की शतकीय और कप्तान सूजी बेट्स (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर न्यूजीलैंड की महिला टीम ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में श्रीलंका को 98 रनों से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। 281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 57 के स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिये थे। विशमी गुणरत्ने (छह), कप्तान चामरी अट्टापटू (पांच), को हर्षिता समरविक्रमा (आठ) को जेस केर ने आउट किया और इमेशा दुलानी (11) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद कविशा दिलहारी और नीलाक्षिका सिल्वा ने पारी संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी हुई। 30वें ओवर में ब्रुक हैलीडे ने कविशा दिलहारी (45) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अनुष्का संजीवन (23) रन बनाकर आउट हुई। 44वें ओवर में ईडन कार्सन ने एक छोर थामे खड़ी नीलाक्षिका सिल्वा (45) को आउट कर न्यूजीलैंड की जीत पक्की कर दी।

एसबीआई ग्रीन मैराथन दिल्ली में सफलतापूर्वक हुई संपन्न

नयी दिल्ली। एसबीआई ग्रीन मैराथन का पांचवां सत्र मिर्ची के सहयोग से राजधानी दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज यहां सेंट्रल सेक्रेटेरिएट स्पोर्ट्स ग्राउंड में आयोजित हुई समापन दौड़ को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अधिकारियों ने हरी झंड़ी दिखाई। मैराथन पांच किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 21 किलोमीटर की दौड़ श्रेणियां में हुई। इस दौड़ में कुल छह हजार धावकों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया। अमन सिंह, तुष्मा सेठी, दीपक छिल्लर, किरण छिल्लर और श्वेतांश धर जैसे अनुभवी धावक ने प्रतिभागियों को फिनिश लाइन पार करने के लिए प्रेरित किया।

इस मैराथन का उद्देश्य सतत विकास (सस्टेनेबिलिटी) और हरित भविष्य के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना था जिसमें पूरे शहर ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देश के 11 शहरों में आयोजन करने के बाद आज राजधानी दिल्ली में यह मैराथन सफलतापूर्वक संपन्न हुई। मैराथन में भारतीय नौसेना और भारतीय सेना के जवानों की भागीदारी। इस दौरान सभी धावकों को जैविक टी-शर्ट (ऑर्गेनिक टी-शर्ट) दिए गए, प्लांटेबल बिब्स प्रदान किए गए और कार्यक्रम में उपयोग की गई सभी सामग्रियों को अधिकतम पुनर्नवीनीकरण (रिसाइक्लेबल) क्षमता के साथ तैयार किया गया।

इसके लिए काफी तैयारी की जरूरत थी : नई भूमिका में सफलता के बाद बोले केएल राहुल

दुबई । लोकेश राहुल सफलतापूर्वक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद खुश हैं और उन्होंने इसे अपनी अथक 'तैयारी' और अपने खेल में लगातार सुधार का नतीजा बताया। आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले राहुल को चैंपियन्स ट्रॉफी में एक स्थान नीचे खिसका दिया गया और उन्होंने यहां चार पारियों में 140 रन बनाए। चैंपियन्स ट्रॉफी में भारत की खिताबी जीत के बाद राहुल ने कहा, 'यह मेरे लिए वाकई सुखद है। मैं अलग-अलग भूमिकाओं में जो काम कर रहा हूं उसके लिए काफी तैयारी की जरूरत होती है। क्रिकेट के मैदान से बाहर काम, यह सोचना कि मुझे प्रत्येक मैच को कैसे लेना है और विभिन्न परिस्थितियों में कैसे प्रदर्शन करना है, पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले कुछ खिलाड़ियों को देखना और देखना कि वे कैसे सफल रहे हैं।राहुल ने कहा कि वह टीम के लिए यह नई जिम्मेदारी लेकर खुश हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे मेरे कोच ने बहुत कम उम्र से सिखाया है कि क्रिकेट एक टीम खेल है और टीम को आपसे जो भी चाहिए आपको उसे स्वीकार करने और टीम के लिए प्रदर्शन करने का तरीका खोजने की जरूरत है। आपको यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि आपकी भूमिका क्या है, जिम्मेदारी क्या है, यह समझें कि विभिन्न क्रम पर सफल बल्लेबाजी करने के लिए क्या करना पड़ता है।

वेटेरन क्रिकेट कप प्रतियोगिता पर एवर शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी ने किया कब्जा

आरएस पुरा। आरएस पुरा के सतोबाली मैदान में खेली जा रही वेटेरन क्रिकेट कप प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एवर शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी तथा आजाद क्रिकेट क्लब आरएस पुरा के बीच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एवर शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी की टीम ने निर्धारित बीस ओवर में 9 विकेट खोकर 138 रन बनाए। शाइन क्रिकेट क्लब सतवारी की टीम के बल्लेबाज चमकौर सिंह ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 43 गेंद में 64 रन बनाए। जबकि मनजीत सिंह ने 10 रन, बल्लेबाज विक्की डोगरा ने 19 तथा अनिल गुप्ता ने 13 रनों का योगदान दिया। वहीं आजाद क्रिकेट क्लब की टीम 112 रन ही बना सकी। आजाद क्रिकेट क्लब की तरफ से सबसे अधिक रन अमन सिंह ने बनाए। उन्होंने 33 गेंद खेल कर 24 रनों का योगदान दिया जबकि अश्वनी शर्मा ने 13, राजीव दत्त ने 14 रनों की पारी खेली। इस अवसर पर थाना प्रभारी आरएस पुरा रवि सिंह परिहार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिन्होंने खिलाड़ियों से मुलाकात करने के बाद विजेता तथा उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

भारत ने 12 साल बाद फिर जीती चैंपियंस ट्रॉफी, न्यूजीलैंड को फाइनल में 4 विकेट से हराया

एजेंसी

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, जिससे उसने 12 साल बाद यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी अपने नाम की। कप्तान रोहित शर्मा की बेहतरीन पारी और भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम इंडिया ने तीसरी बार यह ट्रॉफी जीती।

भारतीय गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

दुबई में खेले गए इस फाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों की कसी हुई गेंदबाजी के कारण कीवी टीम 50 ओवरों में 7 विकेट खोकर 251 रन ही बना सकी। सलामी बल्लेबाज रचिन रवींद्र (37) और विल यंग (15) ने टीम को अच्छी शुरुआत

दी, लेकिन 57 रनों की साझेदारी के बाद वरुण चक्रवर्ती ने यंग को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। कुलदीप यादव ने 11वें ओवर में रचिन रवींद्र (37) को बोल्ड किया, फिर 13वें ओवर में कप्तान केन विलियमसन (11) को भी पवेलियन भेज दिया। इसके बाद डेरेल मिचेल (63) और माइकल ब्रेसवेल (53 नाबाद) ने टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने लगातार विकेट चटकाए। भारत के लिए कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट चटकाए। 252 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को रोहित शर्मा (76) और शुभमन गिल (31) ने मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 105 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, शुभमन गिल 19वें ओवर में आउट हुए, जिसके बाद अगले ही ओवर में विराट कोहली (1) भी पवेलियन लौट गए। कप्तान रोहित शर्मा ने 83 गेंदों में 76 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल थे। हालांकि, वह शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन स्टंप आउट हो गए। इसके बाद श्रेयस अय्यर (48) और अक्षर पटेल (29) ने 61 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

विज ने चटर्जी फुटबॉल ट्रॉफी के विजेताओं को किया सम्मानित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने एसडी चटर्जी फुटबाल ट्राफी के दौरान पुराने फुटबाल खिलाड़ियों को सम्मानित किया तथा पुराने खिलाड़ियों की तस्वीरें लगाकर उन्हें याद किया ।

श्री विज ने आज शाम अम्बाला छावनी के वार हीरोज मेमोरियल स्टेडियम के फीफा एप्रूव्ड फुटबॉल ग्राउंड में एसडी चटर्जी ट्रॉफी के फाइनल मैच के उपरांत लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें यह अच्छा लगा कि प्रतियोगिता आयोजक फुटबाल लवर्स वेलफेयर सोसाइटी ने दादा एसडी चटर्जी के नाम से प्रतियोगिता का आयोजन किया। वो कौमे फना हो जाया करती है जो अपने पूर्वजों को याद नहीं करती। उन्हें अच्छा लगा कि आज चटर्जी के परिवार सदस्य भी कई सालों बाद यहां आए है और यह चटर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि है जो उन्होंने इस शहर के लिए किया और कई खिलाड़ी तैयार किए। उन्हें यह अच्छा लगा कि फुटबॉल संस्था का नाम 'फुटबाल लवर्स वेलफेयर सोसाइटी' रखा। खेलने वाले तो तैयार हो सकते है, मगर आवश्यकता लवर्स की है। उन्होंने कहा कि मैनें इस मैदान में फुटबाल मैच देखे हैं, मैदान चारों ओर से भरा हुआ होता था और दर्शकों में ऐसा जोश होता था। मानों वह ही फुटबाल खेल रहे हों। मैनें दादा एसडी चटर्जी को देखा है जोकि जोश के साथ फुटबाल खिलाड़ियों को खेल के बारे में बताते थे। समय था जब अम्बाला छावनी फुटबाल का गढ़ था। इस स्टेडियम में मैच होते थे जिन्हें देखने सैकड़ों लोग आते थे। गांधी ग्राउंड में तो टिकट लगाकर मैच होते थे और खूब भीड़ होती थी।

स्विएटेक ने यास्त्रेम्स्का को हराकर इंडियन वेल्स के चौथे दौर में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। गत चैंपियन इगा स्विएटेक ने डयाना यास्त्रेम्स्का को 6-0, 6-2 से हराकर इंडियन वेल्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। यह उनकी लगातार दूसरी प्रभावशाली जीत थी, इससे पहले उन्होंने अपने पहले मुकाबले में कैरोलिन गार्सिया को 6-2, 6-0 से हराया था।

दूसरी वरीयता प्राप्त स्विएटेक इस टूर्नामेंट को तीसरी बार जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनने की कोशिश में हैं। पोलैंड की इस स्टार खिलाड़ी ने मैच में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सिर्फ 65 मिनट में यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वी को मात दी। उन्होंने लगातार 10 गेम जीतकर मुकाबले को पूरी तरह एकतरफा बना दिया। मैच के बाद उन्होंने कहा, अंत में मैं थोड़ा थक गई थी, ऐसे मैच को खत्म करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं खुश हूं कि मैंने आखिरी गेम में भी अपनी तीव्रता बनाए रखी,मैं शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थी, इसलिए इस प्रदर्शन से संतुष्ट हूं।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्विएटेक ने 2024 में रोलां गैरोस जीतने के बाद से अब तक कोई खिताब नहीं जीता है। यह 2020 में अपना पहला बड़ा खिताब जीतने के बाद उनकी सबसे लंबी ट्रॉफी सूखी रही है। चौथे दौर में स्विएटेक का सामना 15वीं वरीयता प्राप्त कैरोलीना मुचोवा या कतेरीना सिनीआकोवा से होगा।

टॉमी पॉल ने मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में 50वीं जीत दर्ज की

लोकप्रिय अमेरिकी खिलाड़ी टॉमी पॉल ने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को 6-3, 7-5 से हराकर मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में अपनी 50वीं जीत हासिल की।

हैरी ब्रुक ने आईपीएल 2025 से नाम वापस लिया, इंग्लैंड के लिए तैयारी को बताया प्राथमिकता

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज हैरी ब्रुक ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने अपने इस फैसले की वजह इंग्लैंड क्रिकेट टीम के साथ अपनी आगामी प्रतिबद्धताओं और तैयारी को बताया है।

ब्रुक को नवंबर में हुई मेगा नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, यह लगातार दूसरा वर्ष है जब उन्होंने आईपीएल से नाम वापस लिया है, जिससे उन पर टूर्नामेंट में दो साल का प्रतिबंध लगने का खतरा बन गया है। आईपीएल द्वारा लागू किए गए नए नियम के अनुसार, यदि कोई खिलाड़ी नीलामी में अपना नाम दर्ज कराता है और चयनित होने के बाद टूर्नामेंट शुरू होने से पहले खुद को अनुपलब्ध घोषित करता है, तो उसे आगामी दो सत्रों के लिए आईपीएल और नीलामी में भाग लेने से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। हालांकि, यह नियम केवल उन खिलाड़ियों पर लागू नहीं होगा जो चोट या अन्य चिकित्सा कारणों से बाहर होते हैं। ब्रुक ने सोशल मीडिया पर अपने बयान में कहा, यह इंग्लैंड क्रिकेट के लिए एक बहुत महत्वपूर्ण समय है और मैं आगामी सीरीज की तैयारियों पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं। इसके लिए मुझे खुद को रीचार्ज करने की जरूरत है, क्योंकि यह मेरे करियर का अब तक का सबसे व्यस्त समय रहा है। उन्होंने आगे लिखा, मुझे पता है कि हर कोई इस फैसले को नहीं समझेगा, और मैं उनसे इसकी उम्मीद भी नहीं करता। लेकिन मुझे वही करना है जो मुझे सही लगता है, और मेरे लिए अपने देश के लिए खेलना ही प्राथमिकता

और फोकस है। गौरतलब है कि पिछले सीजन में ब्रुक ने पारिवारिक शोक के कारण दिल्ली कैपिटल्स से नाम वापस ले लिया था। अब तक उन्होंने सिर्फ एक आईपीएल सीजन (2023) में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला है।

चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद कोहली ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे

एजेंसी

दुबई। भारत ने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब अपने नाम किया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जताई और इस खिताबी सफर को 'संपूर्ण टीम प्रयास' करार दिया।

मैच के बाद विराट कोहली ने कहा, हम ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और एक बड़ा टूर्नामेंट जीतना हमारी प्राथमिकता थी। यह एक अविश्वसनीय अहसास है। हमारी टीम में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी हैं जो भारतीय क्रिकेट को सही दिशा में आगे ले जा रहे हैं। उनके साथ खेलना और अपने अनुभव को साझा करना शानदार अनुभव है। कोहली ने इस जीत को टीम के सामूहिक प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा, टूर्नामेंट के हर मैच में किसी न किसी खिलाड़ी ने आगे बढ़कर अहम भूमिका निभाई।

खिताब जीतने के लिए यह जरूरी होता है कि पूरी टीम मिलकर प्रदर्शन करे, और हमने यही किया। इस पूरी प्रतियोगिता में सभी ने किसी न किसी मोड़ पर योगदान दिया, और यही हमारी जीत की असली वजह है।

अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि वह युवा खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने और उन्हें तैयार करने की कोशिश करते हैं। हमारा प्रयास यही है कि जब हम खेल छोड़ें, तो भारतीय टीम पहले से ज्यादा मजबूत हो। शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय क्रिकेट सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

न्यूजीलैंड को दिया सम्मान

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड टीम की भी तारीफ की और कहा, वे अपनी सीमित संसाधनों के बावजूद हर टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। उनकी रणनीति और फील्डिंग विश्व स्तरीय है। केन विलियमसन मेरे अच्छे दोस्त हैं। हालांकि इस बार वह हारने वाली टीम में थे, लेकिन मैं भी कई बार उनकी टीम के खिलाफ हार चुका हूं। हमारे बीच सिर्फ सम्मान और आपसी प्यार है।

भारत की इस ऐतिहासिक जीत के साथ विराट कोहली ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अनुभव और युवा जोश का मेल किसी भी टीम को चैंपियन बना सकता है।

लखनऊ में 26 से शुरु होगी राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप

एजेंसी

लखनऊ। पिछली विजेता हरियाणा, उपविजेता आर्यावर्त स्पोर्ट्स अकादमी (हिमाचल प्रदेश) और मेजबान उत्तर प्रदेश सहित कुल 30 टीमें नवाबों के शहर लखनऊ में होने वाली 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप में खिताब के लिए चुनौती पेश करने उतरेंगी। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वावधान में इस चैंपियनशिप के सभी मैच 26 से 30 मार्च तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस चैंपियनशिप के दौरान हैंडबॉल के दिग्गज अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों का सम्मान भी किया जाएगा। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के महासचिव डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि लीग-कम-नॉकआउट आधार पर होने वाली इस चैंपियनशिप की तैयारियां जोरों से चल रही हैं। चैंपियनशिप के लिए केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चार कोर्ट तैयार किए जाएंगे। मुख्य कोर्ट स्टेडियम स्थित भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हॉल में बनाया जाएगा, जबकि तीन आउटडोर कोर्ट स्टेडियम के मैदान पर तैयार किए जाएंगे।

चैंपियनशिप में भाग लेने वाली 30 टीमों को आठ पूल में विभाजित किया जाएगा, जिनमें से प्रत्येक पूल की शीर्ष दो टीमें नॉकआउट के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके पश्चात प्री क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों का आयोजन होगा। इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में 30 राज्यों की टीमों से कुल 550 खिलाड़ी एवं अधिकारी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले संस्करण में हरियाणा ने खिताब जीता था, जबकि हिमाचल प्रदेश की आर्यावर्त स्पोर्ट्स अकादमी उपविजेता रही थी।

रोहित शर्मा ने संन्यास की अटकलों को किया खारिज, कहा - मैं संन्यास नहीं लेने वाला

एजेंसी

दुबई। दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत द्वारा न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीतने के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने अपने करियर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, मैं संन्यास नहीं लेने वाला। रोहित ने इस विषय पर खुद पहल करते हुए कहा, एक और बात। मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं लेने वाला, ताकि आगे कोई अफवाह न फैले। भारत को चार द्वष्टष्ट ट्रॉफी फाइनल में पहुंचाने और दो खिताब जिताने वाले इस दिग्गज बल्लेबाज ने यह घोषणा आत्मविश्वास के साथ की। यह बयान उन्होंने किसी सवाल के जवाब में नहीं, बल्कि एक स्पष्ट घोषणा के रूप में दिया। फाइनल के बाद पारंपरिक मीडिया कॉन्फ्रेंस के बाद, उन्होंने खुद इस विषय पर अपनी स्थिति स्पष्ट की

और यह सुनिश्चित किया कि उनके भविष्य को लेकर कोई गलतफहमी न हो। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने हिंदी में कहा, फ्यूचर प्लान? कोई फ्यूचर प्लान नहीं है। जो चल रहा है, वही चलता रहेगा। उनके इस बयान से यह स्पष्ट संकेत मिला कि उनमें अभी भी क्रिकेट के लिए जबरदस्त जोश और भूख बनी हुई है। चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा का प्रदर्शन शानदार रहा, जहां उन्होंने 180 रन बनाए और इसी दौरान अपने 11,000 अंतरराष्ट्रीय वनडे रन भी पूरे किए। 273 वनडे मैचों में उन्होंने 48.76 की औसत से 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 32 शतक शामिल हैं, जिनमें से तीन दोहरे शतक हैं। इस टूर्नामेंट के दौरान रोहित के संन्यास को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही थीं, खासकर क्योंकि उन्होंने पिछले साल जून में बारबाडोस में टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20 प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। रोहित के अलावा विराट कोहली को लेकर भी ऐसी अटकलें थीं कि वे भी संन्यास की घोषणा कर सकते हैं। हालांकि, कोहली ने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन किया और पांच मैचों में 218 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल है। रोहित की तरह, कोहली ने भी बारबाडोस में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में युजी चहल के साथ दिखी मिस्ट्री गर्ल, कहीं ये 'वो' तो नहीं

दुबई । दुबई के मैदान पर जब चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए भारत और न्यूजीलैंड की टीमें आमने-सामने थीं तो दर्शक दीर्घा में बैठे युजी चहल भी चर्चा में रहे। चहल जोकि टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं, यह फाइनल मुकाबला देखने के लिए विशेष तौर पर पहुंचे थे। उनके साथ एक मिस्ट्री गर्ल को भी देखा गया। क्योंकि बीते दिनों ही युजी चहल की पत्नी धनश्री के साथ तलाक की खबरें बाहर आई थीं ऐसे में नई गर्ल के साथ दिखने पर चहल बड़ी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उक्त लड़की सफेद कलर के टॉप में थी जिसने आंखों पर काला चश्मा लगा रखा था। दोनों एक दूसरे के साथ नर्मी के साथ बात करते दिखे जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी फोटोज और वीडियोज वायरल हो गई।

महिला हॉकी राष्ट्रीय चैम्पियनशिप: झारखंड, महाराष्ट्र और मिजोरम सेमीफाइनल में

एजेंसी

पंचकूला। 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले रोमांचक रहे। हॉकी झारखंड, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी मिजोरम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला आज हॉकी हरियाणा और हॉकी चंडीगढ़ के बीच खेला जाएगा।

पहला क्वार्टर फाइनल: झारखंड ने मध्य प्रदेश को 3-1 से हराया

पहले क्वार्टर फाइनल में हॉकी झारखंड ने हॉकी मध्य प्रदेश को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट कटाया। झारखंड की कप्तान अलबेला रानी टोप्पो ने चौथे मिनट में पहला गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 41वें मिनट में रजनी केरकेट्टा और 59वें मिनट में प्रमोदनी लकड़ा ने गोल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। मध्य प्रदेश की ओर से करिश्मा यादव ने 55वें मिनट में सांत्वना गोल किया।

दूसरा क्वार्टर फाइनल: महाराष्ट्र की कर्नाटक पर 5-0 से बड़ी जीत

दूसरे क्वार्टर फाइनल में हॉकी महाराष्ट्र ने हॉकी कर्नाटक को 5-0 के बड़े अंतर से शिकस्त दी। महाराष्ट्र के लिए आकांक्षा सिंह (41', 54') ने दो गोल किए। वहीं, प्रियंका वानखड़े (30'), काजल सदाशिव अतपडकर (44') और योगिता बोरा (59') ने भी एक-एक गोल कर टीम को जोरदार जीत दिलाई। इस शानदार प्रदर्शन के साथ महाराष्ट्र ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

तीसरा क्वार्टर फाइनल:मिजोरम ने बंगाल को 1-0 से हराया

तीसरे क्वार्टर फाइनल में हॉकी मिजोरम और हॉकी बंगाल के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

दोनों टीमों ने जबरदस्त खेल दिखाया, लेकिन मिजोरम की दीपिका ने 50वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 1-0 से जीत दिला दी।

बंगाल ने वापसी करने की कोशिश की, लेकिन मिजोरम की मजबूत रक्षापंक्ति के आगे वे गोल करने में नाकाम रहे।

शीतकालीन खेलों के पहले दिन सेना ने जीते सात पदक

एजेंसी

गुलमर्ग। गत चैंपियन भारतीय सेना ने खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 के दूसरे चरण में सात पदक जीतकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। आज यहां हुई स्पर्धाओं में सेना ने दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते। हिमाचल प्रदेश ने एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। वहीं मेजबान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतकर खेलो इंडिया शीतकालीन के दूसरे चरण का शानदार आगाज किया।

भारतीय सेना ने नॉर्डिक स्कीइंग पुरुषों की 10 किमी स्पर्धा में तीनों पदक जीतकर दबदबा बनाया। सनी सिंह ने स्वर्ण, मंजीत ने रजत और राज दीन ने कांस्य पदक जीता। नॉर्डिक स्कीइंग महिलाओं की पांच किमी स्पर्धा में कर्नाटक की भवानी थेक्कड़ा ने 17:43.47 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सेल्मा सोरेंग और कुसुम राणा की आईटीबीपी जोड़ी ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। स्की पर्वतारोहण पुरुष स्प्रिंट स्पर्धा में, राजेश्वर सिंह ने भारतीय सेना के लिए 15 मिनट 13.40 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। सिद्धार्थ गाडेकर ने महाराष्ट्र के लिए एकमात्र पदक जीता, उन्होंने 15:30.91 के समय के साथ रजत पदक जीता। उत्तराखंड के मयंक डिमरी को

कांस्य पदक मिला। अल्पाइन स्कीइंग पुरुष स्लैलम में हिमाचल प्रदेश के योगेश कुमार ने स्वर्ण पदक जीता, इसके बाद सेना की जोड़ी जिग्मेट राफस्तान (रजत) और बाकिर हुसैन (कांस्य) ने पदक हासिल किया।

स्नोबोर्डिंग के पुरुष स्लैलम में स्थानीय पसंदीदा मेहराजुद्दीन खान और जुबैर अहमद लोन ने मेजबान टीम के लिए पहला और दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि सेना के विवेक राणा ने कांस्य पदक जीता। स्नोबोर्डिंग के महिला स्लैलम में उत्तराखंड की मेनका गुंजियाल ने 24:44.90 के प्रभावशाली समय के साथ स्वर्ण पदक जीतने की दौड़ में अपना दबदबा बनाया। हिमाचल प्रदेश की साक्षी ठाकुर और नताशा महार की जोड़ी ने क्रमश- रजत और कांस्य पदक जीते।

आज हुई स्पर्धा के नतीजों के साथ लद्दाख चार स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में सबसे आगे है। भारतीय सेना तीन स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक के साथ दूसरे स्थान पर है। इससे पहले, लद्दाख संघ राज्य पहले चरण में सात पदक जीतकर शीर्ष पर रहा। उसके बाद तमिलनाडु ने तीन स्वर्ण सहित पांच पदक जीते थे। महाराष्ट्र ने सबसे अधिक पदक (10) जीते, लेकिन केवल दो स्वर्ण के कारण वे तीसरे स्थान पर रहे।

भारत में अर्थव्यवस्था में सुधार के बावजूद, देश छोड़ते जा रहे हैं धनीःऋषभ श्रॉफ

नयी दिल्ली। देश की जानी मानी व्यापारिक विधि सेवा कंपनी सिरिल अमरचंद मंगलदास के भागीदार ऋषभ श्रॉफ ने कहा कि भारत में कारोबार के अवसरों में सुधार के बावजूद कई धनाढ्य व्यक्ति अतिरिक्त अवसरों की खोज में विदेशों में बसते जा रहे हैं और इस प्रकार के प्रव्रजन का देश के कारोबार तथा आर्थिक नीतियों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। श्री श्रॉफ ने एक टीवी चैनल के परिचर्चा सम्मेलन के सत्र में कहा कि देश की विशाल आबादी के सामने भारत छोड़ने वाले ये लोग संख्या में भले ही नगण्य लगते हों पर ये व्यक्ति ' व्यवसाय में अग्रणी लोग हैं, रोजगार देने वाले हैं और बड़ा कर चुकाने वाले लोग हैं। उनके बाहर जाने से भारत में सम्पत्ति प्रबंधन व्यवसाय, व्यावसायिक अवसरों और देश की आर्थिक नीतियों के भविष्य पर कुछ प्रश्नचिह्न खड़े करता है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग दुबई, सिंगापुर, अमेरिका और ब्रिटेन के पासपोर्ट ले रहे हैं। इन देशों ने धनी विदेशी नागरिकों को आकर्षित करने के लिए कुछ न कुछ योजनाएं बना रखी हैं।

असम में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2.63 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

असम। असम के वित्त मंत्री अजंता नियोग ने सोमवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 2.63 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह बजट 620.27 करोड़ रुपये के घाटे का है। बजट में राज्य के सभी कामकाजी लोगों के लिए 15,000 रुपये तक की मासिक आय पर व्यावसायिक कर से छूट देने का भी प्रस्ताव है। असम में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। नियोग ने कहा, ÷इससे 1.43 लाख से अधिक करदाताओं/परिवारों को लाभ होगा और उनकी क्रय क्षमता बढ़ेगी।

वित्त वर्ष के लिए अपना अंतिम पूर्ण बजट पेश करते हुए, निओग ने चाय उद्योग के सामने आने वाली चुनौतियों को कम करने के लिए हरी चाय की पत्तियों पर कर छूट को दो अतिरिक्त वर्षों के लिए बढ़ाने की भी घोषणा की। वित्त मंत्रालय ने भारतीय बीमा विनियामक व विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के अध्यक्ष पद को भरने के लिए आवेदन मांगे हैं। बीमा क्षेत्र के नियामक बीआईडीएआई के मौजूदा प्रमुख देबाशीष पांडा का कार्यकाल 13 मार्च को समाप्त हो रहा है। अध्यक्ष पद हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 6 अप्रैल, 2025 है। देबाशीष पांडा, जो वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग में सचिव के रूप में काम कर कर चुके हैं, ने 14 मार्च, 2022 को तीन साल की अवधि के लिए आईआरडीएआई के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

जोमैटो की मूल कंपनी का नाम अब इटरनल, शेयरधारकों ने दी प्रस्ताव को मंजूरी

नई दिल्ली। फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयरधारकों ने मूल कंपनी का नाम बदलकर इटरनल लिमिटेड करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही कंपनी का आधिकारिक नाम जोमैटो से बदलक इटरनल करने का रास्ता साफ हो गया। इटरनल में चार वर्टिकल होंगे। इनका नाम है- फूड डिलीवरी बिजनेस जोमैटो, क्विक कॉमर्स यूनिट ब्लिंकिट , गोइंग-आउट वर्टिकल डिस्ट्रिक्ट और बिजनेस-टू-बिजनेस किराना सप्लाई कंपनी हाइपरप्योर। इटरनल नाम अपनाने के साथ कंपनी दूसरी बार खुद को रीब्रांड कर रही है। 2008 में जोमैटो की स्थापना फूडीबे के रूप में हुई थी और 2010 में इसका नाम बदलकर जोमैटो कर दिया गया था। 2022 में ब्लिंकिट (पहले ग्रोफर्स) के अधिग्रहण के बाद ही आंतरिक रूप से मूल कंपनी का नाम बदलकर इटरनल कर दिया गया था। इसके साथ ही एक संगठनात्मक पुनर्गठन किया गया। इसके तहत एक बड़ी कंपनी की छतरी के नीचे कई व्यवसाय आ गए, इनमें से हर कंपनी का अपना अलग सीईओ था कंपनी के सह- संस्थापक दीपिंदर गोयल ने शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में लिखा, 'जब हमने ब्लिंकिट का अधिग्रहण किया, तो हमने कंपनी और ब्रांड/ऐप के बीच अंतर करने के लिए आंतरिक रूप से 'इटरनल' (जोमैटो की जगह पर) का उपयोग करना शुरू कर दिया। था'

भारत का बीमा उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है, लेकिन साथ ही एक गंभीर चुनौती भी बढ़ रही है- वह है बीमा धोखाधड़ी

नई दिल्ली।। यह समस्या न केवल कंपनियों को आर्थिक रूप से कमजोर कर रही है, बल्कि ईमानदार ग्राहकों को बढ़ी हुई प्रीमियम दरें चुकाने के लिए भी मजबूर कर रही हैं। बीमा क्षेत्र में धोखाधड़ी के बहुत अधिक मामले सामने आ रहे हैं। आश्चर्यजनक रूप से, भारत में सभी बीमा धोखाधड़ी में 86फीसदी जीवन बीमा क्षेत्र से जुड़ा है। यह गैर-जीवन बीमा क्षेत्र में होने वाली धोखाधड़ी से लगभग छह गुना अधिक है। अलग-अलग तरह की जालसाजी के कारण बीमा उद्योग को हर साल 30,401 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ता है। इसका मतलब है कि कंपनियां अपने कुल राजस्व का 8.5त्न धोखाधड़ी के कारण गंवा देती हैं।भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस के मार्केटिंग प्रमुख नितिन मेहता के अनुसार बीमा धोखाधड़ी तब होती है जब कोई व्यक्ति जानबूझकर या झूठ बोलकर कोई ऐसा लाभ या फायदा हासिल करता है, जिसका वह हकदार नहीं है। जैसे-जैसे डिजिटलीकरण तेज हो रहा है और लोग रिमोट जगहों से काम करने को तरजीह दे रहे हैं। लेकिन इस परिस्थिति में धोखेबाज कमजोरियों का फायदा उठाने के लिए तत्पर रहते हैं। बीमा धोखाधड़ी तब होती है जब आवेदक अधिक अनुकूल पॉलिसी शर्तें, कवरेज या प्रीमियम प्राप्त करने के लिए बीमा आवेदन पत्रों पर गलत या अधूरी जानकारी देते हैं।

ताकाशी नाकाजिका होंडा कार्स इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड ने श्री ताकाशी नाकाजिमा को होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड का नया अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि श्री नाकाजिमा की नियुक्ति एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। उनकी नियुक्ति होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रतिवर्ष घोषित प्रबंधन परिवर्तनों के अनुरूप है। श्री नाकाजिमा श्री ताकुया त्सुमुरा का स्थान लेंगे, जो भारत में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद होंडा मुख्यालय में जापान चले गए हैं। भारत में अपने तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान, श्री त्सुमुरा ने भारत में होंडा की प्रीमियम ब्रांड स्थिति को मजबूत करने, ग्राहक केंद्रित समाधानों को मजबूत करने और कंपनी के लाभदायक विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने

भारत में कई प्रीमियम मॉडलों की शुरूआत की, जिसमें भारत का पहला मुख्यधारा हाइब्रिड मॉडल होंडा सिटी ई:एचईवी, होंडा की नई वैश्विक एसयूवी एलिवेट, ऑल न्यू थर्ड जनरेशन अमेज शामिल है और भारत के लिए होंडा के पहले बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन सहित भविष्य के मॉडलों के लॉन्च की नींव रखी। उनके कार्यकाल के दौरान, होंडा कार्स इंडिया ने जापान को मेड इन इंडिया एलिवेट के निर्यात की शुरुआत के साथ अपने निर्यात कारोबार में मजबूत विस्तार देखा।

श्री नाकाजिमा 1994 में होंडा में शामिल हुए और 30 से अधिक वर्षों से होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड से जुड़े हैं। उन्होंने व्यवसाय योजना, उत्पाद योजना, विपणन और बिक्री संवर्धन के क्षेत्रों में जापान, चीन, स्पेन, चेक गणराज्य और रूस जैसे कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जिम्मेदारी के विभिन्न पदों पर काम करके व्यापक अनुभव प्राप्त किया है। वह 2021 से होंडा मोटर रूस के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। अपने नवीनतम कार्यभार के दौरान, वह घरेलू जापान बाजार में होंडा के ऑटोमोबाइल व्यवसाय के लिए उत्पाद योजना, विपणन और कॉर्पोरेट संचार के प्रभारी भी थे।

मसूर और पीली मटर के आयात शुल्क में संशोधन

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने आयात को विनियमित करने और घरेलू बाजार में मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मसूर दाल और पीली मटर पर आयात शुल्क में संशोधन करने की घोषणा की है।

वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने इस संबंध में 7 मार्च, 2025 को अधिसूचना जारी किया जो आठ मार्च 2025 से प्रभावी हो गया है। अधिसूचना के अनुसार, सरकार ने पिछली सीमा शुल्क अधिसूचनाओं में संशोधन करके मसूर (दाल) पर आयात शुल्क घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। इसके अतिरिक्त, पीली मटर को भी संशोधित शुल्क संरचना में शामिल किया गया है।

इस कदम से इन दालों का आयात अधिक किफायती होने की उम्मीद है, जिसका संभावित रूप से उपभोक्ताओं और घरेलू उत्पादकों दोनों पर असर पड़ेगा। ये संशोधन 8 मार्च, 2025 से प्रभावी होंगे। इसके अतिरिक्त, अधिसूचना संख्या 17/2025-सीमा शुल्क, अधिसूचना संख्या 64/2023-सीमा शुल्क, दिनांक 7 दिसंबर, 2023 के तहत प्रावधानों की समय सीमा को 28 फरवरी, 2025 से बढ़ाकर 31 मई, 2025 कर दिया गया है।

फेडएक्स 'सक्षम' के ज़रिए महिला उद्यमिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया

एजेंसी

मुंबई। एक्सप्रेस ट्रांसपोर्टेशन कंपनी फेडरल एक्सप्रेस कॉर्पोरेशन (फेडएक्स) ने भारत में लगातार चौथे वर्ष 'सक्षम' पहल के माध्यम से समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देने का कार्य जारी रखा है। कंपनी ने आज यहां कहा कि इस वर्ष, सक्षम ने 270 से अधिक महिला उद्यमियों और एलजीबीटीक्यूआईए प्लस समुदाय के लगभग 160 सदस्यों को सशक्त बनाया है। इन उद्यमियों को व्यावसायिक संसाधनों और मार्गदर्शन से युक्त 'सक्षम किट' प्रदान की गई, साथ ही उद्योग-विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। इस पहल के तहत टिफिन सेवा, सिलाई, हस्तशिल्प, खाद्य सेवा और सौंदर्य क्षेत्र के लघु व्यवसायियों को उनके कारोबार को आगे बढ़ाने और सफल होने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं।

फेडएक्स इंडिया ऑपरेशंस के उपाध्यक्ष सुवेंदु चौधरी ने कहा, ग्लोबल आंत्रेप्रेन्योरशिप मॉनिटर के अनुसार, यदि महिलाओं को पुरुषों के समान दर पर व्यवसाय शुरू करने और उसे बढ़ाने में मदद मिले, तो

वैश्विक अर्थव्यवस्था में 5 से 6 लाख करोड़ डॉलर का योगदान किया जा सकता है। भारत में महिला-स्वामित्व वाले 2.2 करोड़ एमएसएमई मौजूद हैं, जिनमें अपार संभावनाएँ हैं, लेकिन पूंजी, व्यावसायिक ज्ञान और बाजार तक पहुँच जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। यूनाइटेड वे के सहयोग से, फेडएक्स का लक्ष्य 'सक्षम' के माध्यम से इस अंतर को कम करना है, ताकि महिला उद्यमी मजबूत व्यवसाय स्थापित कर सकें और आर्थिक विकास में अपना योगदान दे सकें। यूनाइटेड वे मुंबई के सहयोग से वर्ष 2021 में अपनी शुरुआत के बाद से 'सक्षम' ने महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की है। अकेले 2024 में 38 प्रतिशत लाभार्थी औसतन 61,176 रुपये सालाना की कमाई कर रहे हैं, जिनके पास पहले कोई आमदनी नहीं थी। इसके अलावा, 15,000 रुपये सालाना से कम कमाई करने वालों में से 19 प्रतिशत लोगों की औसत कमाई बढ़कर 66,782 रुपये हो गई है। ये आँकड़े इस कार्यक्रम से होने वाले प्रत्यक्ष आर्थिक उन्नयन का प्रमाण हैं।

हाइवे हीरो ट्रस्ट ने किया अद्वितीय महिलाओं को किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। हाइवे हीरो ट्रस्ट ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य पर यहां महिला दिवस समारोह का आयोजन किया जिसमें समाज की अनसुनी नायिकाओं जैसे महिला ड्राइवरों, उद्यमियों और शिक्षकों को सम्मानित किया गया और इस मौके पर फैशन शो 'वॉक टू एम्पावर' का आयोजन किया गया, जिसमें महिला ड्राइवरों ने स्वयं हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम में प्रेरणादायक महिलाएं, विशिष्ट अतिथिगण और युवा समर्थकों ने महिला सशक्तिकरण के इस समारोह में भाग लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण महिला पुरस्कार समारोह था, जिसमें 17 महिलाओं को उनके साहस और समाज में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस समारोह में सांसद बंसुरी स्वराज भी मौजूद थी। कार्यक्रम में सूफी गायक विक्की आहुजा और बॉलीवुड सिंगर विशाल श्रीवास्तव ने सांस्कृतिक रंग भरे। अपनी सूफी संगीत के प्रति गहरी लगन के साथ विक्की आहुजा ने अपनी आत्मीय प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एक्स फैक्टर इंडिया और

राइजिंग स्टार के फेम विशाल श्रीवास्तव ने अपनी मधुर आवाज और संगीत कौशल से लोगों का दिल जीता। उनका टी-सीरीज के साथ 'जोगीरा' गाना उनके गायन कौशल को प्रदर्शित करता है और भारी प्रशंसा प्राप्त कर चुका है। उनके और विक्की आहुजा के संगीत के संगम ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। हाइवे हीरो ट्रस्ट के संस्थापक एवं अध्यक्ष बलवंत सिंह भुल्लार ने कहा, महिलाएं हमारे देश की प्रगति की रीढ़ हैं। यह आयोजन उनकी ताकत, साहस और अमूल्य योगदान को सम्मानित करने के लिए है। वे नैतिकता, वफादारी, निर्णायकता और नेतृत्व का प्रतीक हैं, और महिलाओं को सशक्त बनाकर हम राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं। हाइवे हीरो ट्रस्ट में हम दृढ़ विश्वास रखते हैं कि उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करना केवल एक आवश्यकता नहीं बल्कि एक कर्तव्य है।

आईआईएफएल फाईनेंस ने सात ऑल वीमेन 'शक्ति' शाखा की शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉन-बैंकिंग फाईनेंस कंपनियों में से एक आईआईएफएल फाईनेंस ने दिल्ली नेशनल कैपिटल रीज़न (एनसीआर) और मुंबई मेट्रोपोलिटन रीज़न (एमएमआर) में सात गोल्ड लोन शाखाएं शुरू की हैं। इन गोल्ड लोन शाखाओं का संचालन महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा। महिला दिवस के अवसर पर शुरू की गई इस पहल ने गोल्ड लोन उद्योग में पहली बार महिलाओं के संचालन वाली शाखाएं शुरू की हैं। इससे वित्तीय सेवाओं में महिलाओं को सशक्त बनाने की आईआईएफएल फाईनेंस की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। ये 'शक्ति' ब्रांच महिलाओं की दृढ़ता और शक्ति की मिसाल पेश करती हैं, जो अपने समुदायों में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन

लेकर आएंगी। इन शाखाओं पर सभी ऋणग्राही विशेष लाभों के साथ सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे। यहाँ पर महिला उद्यमियों के लिए विशेष रूप से तैयार लिटरेसी प्रोग्राम्स भी प्रदान किए जाएंगे। कंपनी के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी अभिराम भट्टाचार्जी ने कहा, आईआईएफएल फाईनेंस की एक चौथाई ग्राहक महिलाएं हैं, जो मुख्यतः बैंकिंग सेवाओं से वंचित और बैंकिंग सेवाओं की कमी वाले सेगमेंट्स से हैं। साथ ही हमारी शाखाओं में भी कई महिलाएं काम करती हैं। इन महिला-केंद्रित अभियानों द्वारा हमारा उद्देश्य वित्तीय आत्मनिर्भरता लाना एवं बिज़नेस के लिए एक ज्यादा समावेशी परिवेश का निर्माण करना है। हर शक्ति ब्रांच का संचालन केवल महिलाएं करेंगी। यहाँ पर चालीस महिलाओं तक को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। ये शाखाएं वित्तीय सेवाओं के अलावा कौशल विकास के कार्यक्रम भी पेश करेंगी, जो महिला उद्यमियों को अपने बिज़नेस का विस्तार करने में समर्थ बनाने के लिए डिज़ाईन किए गए हैं। आईआईएफएल फाईनेंस के ज़ोनल हेड, गोल्ड लोन, मनीष मयंक ने कहा, महिला बिज़नेस मालिक भारत की अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण ताकत हैं। हमारे ग्राहकों में उनका एक बड़ा हिस्सा है। शक्ति ब्रांच की शुरुआत बैंकिंग से वंचित और बैंकिंग की कमी वाली छोटी महिला उद्यमियों को क्रेडिट और वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। महिला दिवस यह पहल शुरू करने के लिए एक अच्छा अवसर है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,700 रुपये से लेकर 87,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,390 रुपये से लेकर 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 99,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,440 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मूंगफली तेल सस्ता; दालों में मिलाजुला रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल सस्ता हो गया जबकि दालों में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहनः वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा सप्ताहांत पर 90 रिंगिट चढ़कर 4821 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 2.45 सेंट की गिरावट लेकर 43.01 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान मूंगफली तेल में 294 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली

तेल 18168 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16703 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15751 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13553 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 16336 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 250 रुपये, दाल चना 250 रुपये, मसूर दाल 50 रुपये और मूंग दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती जबकि उड़द दाल 200 रुपये और अरहर दाल 550 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई।

सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपये और चावल 3150-3250 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : बीते सप्ताह मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर चीनी एस 3590-3690, चीनी एम. 4300-4400, मिल डिलीवरी 3470-3570 और गुड़ 4250-4350 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

होली में 60 हजार करोड़ का होगा कारोबार : कैट

एजेंसी

नई दिल्ली। खुदरा कारोबारियों का संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज कहा कि इस वर्ष की होली में देश में 60 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होने की संभावना है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि इस साल होली के मौके पर देशभर में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक के व्यापार होने की संभावना है, जो पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक है। पिछले वर्ष यही कारोबार लगभग 50 हज़ार करोड़ रुपये का था।

श्री खंडेलवाल ने बताया कि कारोबारियों और ग्राहकों ने इस बार भी चीन में बने उत्पादों का बहिष्कार किया, जिससे भारतीय निर्मित हर्बल रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाइयां, ड्राई फ्रूट्स, परिधान, गिफ्ट आइटम और अन्य उत्पादों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है।होली के

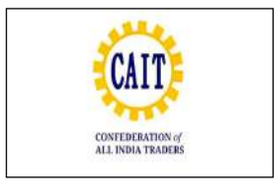

उत्सव ने छोटे कारोबारियों, खुदरा विक्रेताओं और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपमक्र (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए बड़े आर्थिक अवसर पैदा किए हैं। दिल्ली में ही आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने की उम्मीद है, जहां बाजारों में रंग, गुलाल, पिचकारी, मिठाइयों और उपहारों की खरीदारी के लिए भीड़ उमड़ रही है। इस बार के होली सीजन में पारंपरिक भारतीय परिधानों जैसे सफेद कुर्ता-पाजामा, सलवार-सूट और हैप्पी होली लिखे टी-शर्ट की भी भारी मांग देखी जा रही है।कैट के अनुसार, देशभर में तीन हजार से अधिक होली मिलन समारोहों का आयोजन हो रहा है, जिससे होटल, बैंक्वेट हॉल, फार्महाउस और रेस्टोरेंट सेक्टर को भी लाभ मिल रहा है। बाज़ार में हर्बल रंगों और गुलाल की अधिक मांग है, जबकि केमिकल युक्त रंगों की लोकप्रियता घटी है। खासकर स्पाइडर मैन और छोटा भीम थीम वाली पिचकारी, गुलाल स्प्रे और प्रेशर टैंक पिचकारी बच्चों के बीच खूब पसंद की जा रही है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में 13 मार्च को होली जलाई जाएगी जबकि रंगों का पर्व 14 मार्च को मनाया जाएगा। होली के रंग में बाजार भी रंगे हुए नजर आने लगे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने बनाई संयुक्त आचार संहिता; केवाईसी, खर्च सीमा और निष्पक्षता का दावा

मुंबई। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले उद्योग निकायों, एआईजीएफ, ईजीएफ और एफआईएफएस ने संयुक्त रूप से एक आचार संहिता पर हस्ताक्षर किए हैं। इस आचार संहिता में सदस्य कंपनियों ने उपयोगकर्ता सुरक्षा, केवाईसी सत्यापन और खर्च सीमा जैसी जिम्मेदार गेमिंग प्रथाओं को बढ़ावा देने की बात कही गई है। सोमवार को एक संयुक्त बयान इसकी जानकारी दी गई। आचार संहिता पर हस्ताक्षर करने वाली कंपनियों में ड्रीम11, माई11सर्किल, खेलो फैंटेसी लाइव, एसजी11 फैंटेसी, विनजो, गेम्स24x7 और जंगली गेम्स जैसी कंपनियां शामिल हैं। अखिल भारतीय गेमिंग महासंघ (एआईजीएफ), भारतीय फैंटेसी खेल महासंघ (एफआईएफएस) और ई-गेमिंग महासंघ (ईजीएफ) ने आज संयुक्त रूप से एक 'आचार संहिता' (सीओई) पर हस्ताक्षर किए।बयान में कहा गया है, 'कोड ऑफ इथिक्स (सीओई) का उद्देश्य जिम्मेदार गेमिंग और विज्ञापन नीतियों के कार्यान्वयन के माध्यम से पूरे उद्योग में उपयोगकर्ता सुरक्षा के सुसंगत मानकों को लागू करना है।

समावेशी जलवायु कार्रवाई के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। रणनीतिक नीति संवादों और साहसिक वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बाद, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) द्वारा आयोजित विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन 2025 के 24वें संस्करण में स्थिरता और जलवायु लचीलेपन के लिए वैश्विक एजेंडे को और मजबूत किया गया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र और बहु-हितधारक संवादों के माध्यम से प्रभाव को आगे बढ़ाने पर विचार विमर्श किया गया और जटिल सतत विकास चुनौतियों और पर्यावरणीय चिंताओं के समाधान में सहयोगी साझेदारी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। टेरी के अध्यक्ष नितिन देसाई ने दीर्घकालिक पर्यावरणीय और विकासात्मक प्रभाव को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सतत विकास दो ज्ञान समुदायों–विकास समुदाय और पर्यावरण समुदाय - के बीच सेतु का कार्य करता है। यही सततता की वास्तविक चुनौती है: हम विकास कैसे प्राप्त करें और साथ ही पर्यावरण की रक्षा कैसे करें। यह एक आसान कार्य नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना जे. मोहम्मद ने अपने विशेष 'वैश्विक नेतृत्व' (वीडियो संदेश) में संयुक्त राष्ट्र की वैश्विक जलवायु कार्रवाई के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराया और सतत विकास लक्ष्यों की प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, ÷ भूख बढ़ रही है, और हमने अब तक के सबसे गर्म वर्षों को देखा है, जिसमें कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर लगातार बढ़ रहा है। लेकिन हमें आशा नहीं छोड़नी चाहिए या अपनी महत्वाकांक्षाओं को कमजोर नहीं करना चाहिए। अब समय आ गया है कि हम लोगों, ग्रह और समृद्धि के लिए एसडीजी को बचाने की योजना को आगे बढ़ाएं।

यूएनईपी गुडविल एंबेसडर और संयुक्त राष्ट्र महासचिव की एसडीजी एडवोकेट अभिनेत्री दिया मिर्ज़ा ने जलवायु चुनौतियों से निपटने में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, ÷ आगे का रास्ता आसान नहीं होगा। चुनौतियाँ आएँगी, संदेह के क्षण भी होंगे। लेकिन यदि हम एकजुट होकर काम करें, न्याय, समानता और स्थिरता के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहें, तो मुझे विश्वास है कि हम इस अवसर का सामना आवश्यक तत्परता और संकल्प के साथ कर सकते हैं। जब मैं समाधान के बारे में सोचती हूँ, तो मैं एक्ट4अर्थ आंदोलन को याद करती हूँ, जो मेरे दिल के करीब है। यह केवल पुनर्चक्रण या पेड़ लगाने के बारे में नहीं है, बल्कि हमें पृथ्वी से फिर से जुड़ने के लिए प्रेरित करने वाला एक आंदोलन है। यह हमारी पसंद को इस तरह से निर्धारित करने का आह्वान करता है, जिससे हम अपने ग्रह की रक्षा कर सकें और पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकें। विश्व बैंक के उपाध्यक्ष मार्टिन रायज़र ने सतत वित्तपोषण और जलवायु लक्ष्यों की प्राप्ति में वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यह सम्मेलन विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान का एक उत्कृष्ट अवसर है, जो हमें वांछित परिवर्तन की दिशा में प्रेरित करता है। हम हरित परिवर्तन को निवेश और रोजगार वृद्धि का एक प्रेरक कारक मानते हैं। भारत से बेहतर कोई देश नहीं है जो इस हरित परिवर्तन को आगे बढ़ा सके, न केवल इसके पैमाने और उद्यमशीलता क्षमता के कारण, बल्कि इसलिए भी कि भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों में से एक है। हमें संसाधनों के पुनः आवंटन और घरों और व्यवसायों के अनुकूलन के संदर्भ में लचीलापन अपनाने की आवश्यकता है।

पूर्व राजा के समर्थन में उमड़े जनसैलाब से नेपाल की राजनीति में उबाल, प्रमुख राजनीतिक दलों ने राजा को दी नसीहत

काठमांडू। काठमांडू में पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के समर्थन में उमड़े जनसैलाब के बाद नेपाली राजनीति में हलचल देखी जा रही है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दल के नेताओं ने पूर्व राजा का विरोध करते हुए उन्हें अपने दायरे में रहने, लोकतंत्र के खिलाफ काम नहीं करने और जनता को उकसाने का काम नहीं करने की नसीहत दी है। काठमांडू हवाईअड्डा से लेकर उनके निवास तक लाखों की संख्या में लोग सड़क पर आकर पूर्व राजा के पक्ष में की गई नारेबाजी से प्रमुख दल के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। नेपाली कांग्रेस के नेता तथा गृहमंत्री रमेश लेखक ने चेतावनी देते हुए पूर्व राजा को अपने दायरे में रहने की नसीहत दी है। उन्होंने कहा कि यदि पूर्व राजा इस समय की व्यवस्था को नहीं मानेंगे तो उन्हें राज्य की तरफ से दी जा रही सुरक्षा और अन्य सुविधाएं वापस ले ली जाएंगी। गृहमंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व राजा की गतिविधियां संविधान और कानून के विपरीत हैं। इस तरह की गतिविधियों के कारण उन्हें कानून के दायरे में भी लाया सकता है। पूर्व राजा के पक्ष में लोगों में बढ़ते आकर्षण से सत्तारूढ़ दल नेकपा एमाले पार्टी ने भी नाराजगी व्यक्त की है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार, अस्पताल में कर रहे आराम

रोम। पोप फ्रांसिस की सेहत में लगातार सुधार हो रहा है और वह रविवार सुबह भी शांति से आराम कर रहे हैं। वेटिकन के प्रेस कार्यालय ने जानकारी दी कि उनके स्वास्थ्य में स्थिरता बनी रही और उनमें लगातार रिकवरी देखने को मिल रही है। वेटिकन के अनुसार, पोप फ्रांसिस की स्थिति स्थिर बनी हुई है और डॉक्टरों का कहना है कि उनका स्वास्थ्य धीरे-धीरे बेहतर हो रहा है। उनके श्वसन तंत्र में सुधार देखा गया है, ब्लड टेस्ट के नतीजे सामान्य हैं और उन्हें बुखार नहीं है। हालांकि, डॉक्टर अभी भी सावधानीपूर्वक निगरानी रख रहे हैं और पूरी तरह से ठीक होने में कुछ और समय लग सकता है। सेंट पीटर्स स्क्वायर में आयोजित स्वयंसेवकों के जुबली समारोह के दौरान कार्डिनल माइकल चेरनी ने पोप की ओर से प्रवचन पढ़ा। इसके अलावा, पोप की दोपहर की एंजेलस प्रार्थना भी वितरित की गई। स्वास्थ्य बुलेटिन नहीं जारी किया जाएगा वेटिकन के अनुसार, चूंकि पोप की स्थिति स्थिर बनी हुई है, इसलिए रविवार की शाम कोई नया मेडिकल बुलेटिन जारी नहीं किया जाएगा। हालांकि, प्रेस कार्यालय पत्रकारों को समय-समय पर अपडेट प्रदान करता रहेगा। डॉक्टरों ने उम्मीद जताई है कि पोप फ्रांसिस जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने आध्यात्मिक कार्यों में लौटेंगे।

8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार, देश भर में विरोध प्रदर्शन

ढाका। बांग्लादेश में एक आठ वर्ष की बच्ची के साथ रेप की घटना के बाद लोगों को गुस्सा भड़क उठा है। देश में भर में लोगों ने सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, यह दुखद घटना बुधवार को तब हुई जब बच्ची मगुरा में अपनी बड़ी बहन के घर गई थी। बहन के ससुर ने इस अपराध को अंजाम दिया। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसे पहले ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया, उसके बाद उसे अधिक देखभाल के लिए सीएमएच अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक बहन के पति ने कथित तौर पर अपराध में सहयोग किया। उन्होंने बताया कि बलात्कारी की पत्नी और बड़े बेटे को भी घटना की जानकारी थी और बाद में उन्होंने इसे छुपाने के लिए बच्ची को मारने का भी प्रयास किया। पीड़िता की बहन के ससुर, पति, सास और देवर को आरोपी बनाया गया और पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर चुकी है। घटना के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने परिसर में विरोध रैली निकाली। यूनिवर्सिटी टीचर्स नेटवर्क की ओर से आयोजित यह प्रदर्शन सुबह 11:00 बजे प्रतिष्ठित अपराजियो बांग्ला मूर्ति के नीचे शुरू हुआ और रैली सुबह 11:45 बजे शुरू हुई।

सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति ने सामूहिक हत्याओं की खबरों के बीच जवाबदेही की ली शपथ

दमिश्क। सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने तटीय क्षेत्र में हाल की हुई हिंसा के लिए उत्तरदायी लोगों को जिम्मेदार साबित करने की शपथ ली है । उन्होंने सुरक्षा बलों और नागरिकों पर हमलों की साजिश रचने का आरोप लगाया। अहमद अल-शरा ने एक टेलीविजन संबोधन में लताकिया और टारटस प्रांतों में सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों की हत्याओं की निंदा की। उन्होंने गिरती हुई सरकार के बचे हुए लोग और उनके विदेशी समर्थकों को दोषी ठहराया और कहा कि अपराधों में शामिल सभी लोगों को बिना किसी अपवाद के न्याय का सामना करना होगा। अल-शरा ने सीरिया को विभाजित करने के किसी भी प्रयास की निंदा की, विदेशी हस्तक्षेप या आंतरिक कलह के आह्वान के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा सीरिया अपने लोगों की इच्छा और अपनी सेना की ताकत के साथ एकजुट रहेगा।

इस बीच, अल-शरा ने नागरिक शांति के लिए एक उच्च समिति के गठन की घोषणा की, उसका काम तटीय क्षेत्र में समुदायों से सीधे संपर्क करना, उनकी चिंताओं को दूर करना और स्थिरता सुनिश्चित करना है।

कनाडा के नए पीएम के तीखे तेवर, ट्रंप को दी चुनौती, कहा - हॉकी की तरह, व्यापार में भी जीतेंगे

एजेंसी

ओटावा । मार्क कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री पद की दौड़ जीत ली है। वह जस्टिन ट्रूडो की जगह लेंगे। कार्नी ऐसे समय में देश की कमान संभालेंगे जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओटावा के खिलाफ व्यापार युद्ध छेड़ा हुआ है।

कनाडा के केन्द्रीय बैंक और बैंक ऑफ इंग्लैण्ड के पूर्व गवर्नर ने लिबरल पार्टी के नेतृत्व की प्रतियोगिता में तीन प्रतिद्वंद्वियों को भारी मतों से हराया। कार्नी ने अब तक किसी भी निर्वाचित पद पर कार्य नहीं किया है। कार्नी आने वाले दिनों में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे और अगले आम चुनाव में लिबरल पार्टी का नेतृत्व करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 59 वर्षीय कार्नी ने अपने विजय भाषण के दौरान ज्यादातर समय ट्रंप पर हमला बोला। उन्होंने कहा, ÷अमेरिकियों को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। हॉकी की तरह, व्यापार में भी, कनाडा

जीतेगा। बता दें यूएस प्रेसिडेंट लंबे समय से कनाडा को लेकर हमलावर रहे हैं। वह कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बता चुके हैं और इसके प्रधानमंत्री को राज्य का गवर्नर। ट्रंप ने ओटावा को अपनी इच्छा के अनुरूप झुकाने के लिए कनाडा से आयातित उत्पादों पर 25 टैरिफ लगाए, हालांकि फिर उन्होंने इनमें से कुछ पर रोक भी लगा दी। कनाडा ने भी जवाबी टैरिफ लगाए। ट्रूडो ने अपने अमेरिकी समकक्ष पर देश की अर्थव्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कार्नी ने अपने विजय भाषण में कहा कि ट्रंप 'कनाडाई श्रमिकों, परिवारों और व्यवसायों पर हमला कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम उन्हें सफल नहीं होने दे सकते।' कार्नी के मुताबिक उनकी सरकार अमेरिकी आयातों पर टैरिफ तब तक जारी रखेगी 'जब तक अमेरिकी हमें सम्मान नहीं देते।' कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने के ट्रंप के दावे के जवाब में, कार्नी ने कहा, कनाडा कभी भी किसी भी तरह से, अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा। उन्होंने कहा, अमेरिकी हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारी ज़मीन, हमारा देश चाहते हैं। उन्होंने कहा। ये काले दिन हैं, एक ऐसे देश की ओर से थोपे गए काले दिन जिस पर हम अब भरोसा नहीं कर सकते। लिबरल नेतृत्व की दौड़ जनवरी में शुरू हुई थी जब ट्रूडो ने लगभग एक दशक तक पद पर रहने के बाद इस्तीफा दे दिया था।

बांग्लादेश: 8 वर्षीय बच्ची के साथ बलात्कार, देश भर में विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में एक आठ वर्ष की बच्ची के साथ रेप की घटना के बाद लोगों को गुस्सा भड़क उठा है। देश में भर में लोगों ने सड़कों पर उतर कर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की।

रिपोर्ट के अनुसार, यह दुखद घटना बुधवार को तब हुई जब बच्ची मगुरा में अपनी बड़ी बहन के घर गई थी। बहन के ससुर ने इस अपराध को अंजाम दिया। बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के अनुसार, बच्ची को गंभीर चोटें आईं और उसे पहले ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल के बाल चिकित्सा गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया, उसके बाद उसे अधिक देखभाल के लिए सीएमएच अस्पताल में ट्रांसफर कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक बहन के पति ने कथित तौर पर अपराध में सहयोग किया। उन्होंने बताया कि बलात्कारी की पत्नी और बड़े बेटे को भी घटना की जानकारी थी और बाद में उन्होंने इसे छुपाने के लिए बच्ची को मारने का भी प्रयास किया।पीड़िता की बहन के ससुर, पति, सास और देवर को आरोपी बनाया गया और पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर चुकी है। घटना के विरोध में ढाका विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों ने परिसर में विरोध रैली निकाली।

यूनिवर्सिटी टीचर्स नेटवर्क की ओर से आयोजित यह प्रदर्शन सुबह 11:00 बजे प्रतिष्ठित अपराजियो बांग्ला मूर्ति के नीचे शुरू हुआ और रैली सुबह 11:45 बजे शुरू हुई। राजशाही में, राजशाही यूनिवर्सिटी के सैकड़ों छात्रों ने अपनी कक्षाओं और परीक्षाओं का बहिष्कार किया, ढाका-राजशाही राजमार्ग को लगभग आधे घंटे तक ब्लॉक कर दिया गया।

भगोड़े ललित मोदी को झटका

वानुअतु की नागरिकता रद्द, पीएम जोथम ने पासपोर्ट रद्द करने का दिया आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। भगोड़े कारोबारी ललित मोदी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। वानुअतु सरकार ने उनकी नागरिकता रद्द कर दी है। वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापाट ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए ललित मोदी का पासपोर्ट भी रद्द करने का फैसला लिया है। यह कदम ललित मोदी के खिलाफ उठाए गए अंतरराष्ट्रीय कानूनी कार्रवाई का हिस्सा है, जिन्होंने भारत में कई गंभीर आरोपों का सामना किया है।

ललित मोदी IPL (इंडियन प्रीमियर लीग) के पूर्व चेयरमैन रहे हैं, लेकिन 2010 में भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और वित्तीय गड़बड़ियों के आरोपों के चलते उन्हें देश छोड़कर जाना पड़ा था.भारत सरकार कई बार इंटरपोल से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की मांग कर चुकी है, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो पाया. वनुआतू की नागरिकता मिलने के बाद ललित मोदी और सुरक्षित हो गए थे, लेकिन अब जब वनुआतू ने भी उन्हें बाहर

का रास्ता दिखाने का फैसला कर लिया है, तो यह ललित मोदी के लिए एक बड़ा झटका साबित हो सकता है. उल्लेखनीय है कि वित्तीय अनियमितताओं, मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच साल 2010 में ललित मोदी भारत छोड़कर लंदन भाग गए थे। इससे पहले भगोड़े मेहुल चोकसी ने भी एंटीगुआ की नागरिकता हासिल करके कानून से बचने का रास्ता निकाला था।

सीरिया में हालात गंभीर, सैंकड़ों नागरिकों की हत्या, अंतरिम राष्ट्रपति की शांति की अपील

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया के नेता अहमद शरा ने कई दिनों की हिंसक झड़पों के बाद शांति की अपील की। संकटग्रस्त देश में सीरियाई सुरक्षा बलों पर कथित तौर पर अलावी धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के सैकड़ों नागरिकों की हत्या करने का आरोप है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) ने कहा कि शुक्रवार और पश्चिमी तट पर अलावी लोगों को निशाना बनाकर किए गए 30 'नरसंहारों' में लगभग 745 नागरिक मारे गए। राष्ट्रपति शारा ने कहा, 'हमें यथासंभव राष्ट्रीय एकता और नागरिक शांति को बनाए रखना चाहिए और...हम इस देश में एक साथ रह सकेंगे।'

सीरियाई ऑब्जर्वेटरी का कहना है कि पिछले चार दिनों में मारे गए लड़ाकों की संख्या को मिलाकर कुल मरने वालों की संख्या 1,000 से ज़्यादा हो गई है। इसमें नई इस्लामिस्ट नेतृत्व वाली सरकार से जुड़े लगभग 125 लड़ाके और असद समर्थक 148 लड़ाके शामिल हैं। वहीं एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में सीरियाई सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया कि कम से कम 200 लड़ाकों की मौत हुई है। दमिश्क की एक मस्जिद से बोलते हुए अंतरिम राष्ट्रपति ने कहा कि सीरिया में वर्तमान में जो कुछ हो रहा है, वह अपेक्षित चुनौतियों के दायरे में है।÷

हालांकि उन्होंने तटीय प्रांतों - लताकिया और टार्टस - में उनके समर्थकों द्वारा किए जा रहे अत्याचारों के आरोपों पर सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की। सीरियाई मीडिया ने बताया कि सरकारी बलों और असद के

वफ़ादारों के बीच बनियास में एक गैस पावर प्लांट में भी लड़ाई हुई। यह शहर लताकिया और टार्टस के बीच में है। हाल की हिंसा गुरुवार को सरकारी बलों पर घात लगाकर किए गए हमलों के बाद भड़की। सीरियाई रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने सना स्टेट न्यूज एजेंसी से कहा कि यह सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ विश्वासघाती हमला था। इसके बाद से असद के वफादारों और सरकारी बलों के बीच झड़पों का सिलसिला शुरू हो गया।

लेबनान में इजरायली मौजूदगी मंजूर नहीं : हिजबुल्लाह

एजेंसी

बेरूत । हिजबुल्लाह के महासचिव नईम कासिम ने दोहराया कि उनका ग्रुप दक्षिणी लेबनान में किसी भी इजरायली मौजूदगी की अनुमति नहीं देगा। अल-मनार टीवी के साथ एक टेलीविजन इंटरव्यू में, कासिम ने कहा कि युद्ध विराम समझौते के दौरान, हिजबुल्लाह ने ऑपरेशन बंद कर दिए लेकिन पूरी तरह से अलर्ट रहा। हिजबुल्लाह महासचिव ने कहा, पिछले 60 दिनों में, इजरायल ने कई उल्लंघन किए हैं। समझौते में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि इजरायल को लिटानी नदी से आगे पीछे हटना होगा।समाचार एजेंसी के मुताबिक घरेलू मामलों पर कासिम ने राष्ट्रीय स्थिरता और शासन के प्रति हिजबुल्लाह के समर्पण को दोहराया। आंतरिक सुरक्षा पर सुरक्षा बलों के विशेष अधिकार का समर्थन किया। हालांकि, उन्होंने कहा कि हिजबुल्लाह के हथियार इजरायल का सामना करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। कासिम के मुताबिक, इजरायल एक खतरा है, और प्रतिरोध करना लेबनान का अधिकार है। उन्होंने लेबनान के पुनर्निर्माण पर भी बात की और युद्धग्रस्त क्षेत्रों का पुनर्निर्माण राज्य की जिम्मेदारी है। हिजबुल्लाह महासचिव ने राजनीतिक और सैन्य मामलों में हिजबुल्लाह की निरंतर भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब तक इजरायली

खतरे बने रहेंगे, तब तक प्रतिरोध जारी रहेगा।

27 नवंबर, 2024 को हुए युद्धविराम समझौते ने हिजबुल्लाह और इजरायल के बीच एक साल से चल रही लड़ाई को काफी हद तक रोक दिया। इसमें दो महीने का पूर्ण पैमाने पर युद्ध भी शामिल था। इस समझौते में 60 दिनों के भीतर दक्षिणी लेबनान से इजरायली सेना की वापसी अनिवार्य की गई थी। हालांकि, इजरायल ने हिजबुल्लाह से चल रहे खतरों का हवाला देते हुए सीमा पर पांच रणनीतिक स्थानों पर अपनी उपस्थिति बनाए रखी है। इस बीच, आधिकारिक लेबनानी सूत्रों के अनुसार, दक्षिणी लेबनान में काफर किला गांव के उत्तरी प्रवेश द्वार के पास इजरायली गोलीबारी में एक लेबनानी सैनिक और एक नागरिक घायल हो गए। सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि इजरायली सेना ने काफर किला में फातिमा गेट के पास गोलीबारी की, जिसमें एक लेबनानी सेना का सैनिक घायल हो गया। स्वास्थ्य मंत्रालय से संबद्ध सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन संचालन केंद्र ने पुष्टि की है कि काफर किला में इजरायली गोलीबारी में एक नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्रधानमंत्री ओली ने भारत के साथ हुए सभी समझौते को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भारत के साथ किए गए सभी समझौते के कार्यान्वयन को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने महाकाली संधि से लेकर टनकपुर संधि तक और पंचेश्वर से लेकर अन्य सभी समझौते को आगे बढ़ाकर कार्यान्वयन करने की बात दोहराई है।

सुदूरपश्चिम प्रदेश के विधानसभा को सोमवार को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि इस प्रदेश के विकास के लिए भारत के साथ हुए कई समझौते को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नेपाल का सबसे पिछड़ा प्रदेश होने के कारण इसके विकास के लिए भारत के साथ कई समझौते किए गए हैं जिसे आगे बढ़ाने का समय आ गया है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि भारत के साथ लंबे समय से पंचेश्वर बहुउद्देशीय समझौता अब तक लंबित है, जिसे पूरा करने के लिए दोनों देशों के बीच में लगातार बातचीत हो रही है। ओली ने कहा कि जबसे उनके नेतृत्व में सरकार बनी है तब से भारत के साथ हुए पंचेश्वर समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए वार्ता जारी है और निकट भविष्य में ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने भारत सरकार के सहयोग से महाकाली नदी पर बन रहे मोटरेबल पुल के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में होने और जल्द ही इसका उद्घाटन होने की जानकारी दी। ओली ने कहा कि भारत और नेपाल द्वारा संयुक्त रूप से बनाए जा रहे दोधारा चांदनी ड्राईपोर्ट का निर्माण कार्य भी शुरू हो चुका है जिससे इस प्रदेश के विकास में काफी मदद मिलने वाली है।

ईरान ने कभी परिमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं की : राष्ट्रपति पेजेशकियन

एजेंसी

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दोहराया कि ईरान ने कभी भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं की है। उन्होंने सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के धार्मिक आदेश का हवाला दिया, जिसमें ऐसे हथियारों पर प्रतिबंध लगाया गया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पेजेशकियन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम की शांतिपूर्ण प्रकृति की पुष्टि के लिए अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के साथ चल रहे सहयोग का जिक्र किया।

ईरानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पेजेशकियन ने यह टिप्पणी नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे के साथ फोन पर बातचीत के दौरान की। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। ईरानी राष्ट्रपति ने इजरायल पर क्षेत्रीय तनाव की मुख्य वजह होने का आरोप लगाया। उन्होंने

कहा कि तेल अवीव ईरान की परमाणु गतिविधियों को सुरक्षा के लिए खतरा बताने के लिए मनगढ़ंत दावे करता है। पेजेशकियन ने यह भी कहा कि ईरान तनाव और संघर्ष को नुकसानदेह मानता है, लेकिन वह अपनी सुरक्षा और हितों के खिलाफ किसी भी खतरे का मजबूती से जवाब देगा। उन्होंने ईरान और नॉर्वे के बीच सकारात्मक संबंधों की प्रशंसा की। ईरानी बयान के अनुसार, नॉर्वे के प्रधानमंत्री ने ईरान के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने की ओस्लो की इच्छा व्यक्त की और पश्चिम एशिया क्षेत्र में मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का स्वागत किया और इस संबंध में समर्थन की पेशकश की। बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ उसके परमाणु मुद्दे पर बातचीत करना चाहते हैं और उन्होंने गुरुवार को ईरानी नेतृत्व को एक पत्र भेजा है। वहीं ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने कहा कि कुछ धमकाने वाली शक्तियों की तरफ से बातचीत पर जोर देने का मकसद मुद्दों को हल करना नहीं, बल्कि इस्लामी गणराज्य पर अपनी मांगें थोपना है। खामेनेई के कार्यालय की ओर से जारी फुटेज के अनुसार, खामेनेई ने यह टिप्पणी शनिवार को तेहरान में सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान की। उनका यह बयान ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अपील का जवाब था।

कोई टकराव नहीं हुआ, मै वहां मौजूद था : रुबियो-मस्क विवाद की रिपोर्ट को ट्रंप ने किया खारिज

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेश मंत्री मार्को रुबियो और एलन मस्क के बीच तीखी नोकझोंक की खबरों का खंडन किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस मामले को लेकर ट्रंप ने पोस्ट किया, 'एलन और मार्को के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। इसके अलावा कोई भी बयान फर्जी खबर है!!!' ट्रंप को यह सफाई न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के बाद देनी पड़ी। इसमें दावा किया गया कि गुरुवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान, प्रशासन के खर्च-कटौती प्रमुख मस्क ने स्टेट डिपार्टमेंट में अहम स्टाफ कटौती को लागू करने में नाकाम रहने के लिए रुबियो की आलोचना की। मस्क ने कथित तौर पर रुबियो पर 'किसी को भी नहीं' निकालने का आरोप लगाया।

इसके जवाब में रुबियो ने कथित तौर पर बताया कि 1,500 से ज़्यादा स्टेट डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने हाल ही में बायआउट के जरिए समय से पहले रिटायरमेंट का विकल्प चुना है। उन्होंने व्यंग्यात्मक ढंग से मस्क से पूछा कि क्या वह चाहते हैं कि उन कर्मचारियों को फिर से काम पर रखा जाए ताकि उन्हें दोबारा निकाल दिया जाए।

सीएनएन के अनुसार, ट्रंप से जब कथित बहस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने दावों को खारिज करते हुए कहा, ÷कोई झड़प नहीं हुई, मैं वहां मौजूद था। एलन और मार्को का रिश्ता बहुत अच्छा है और वे दोनों शानदार काम कर रहे हैं।ट्रंप ने संघीय नौकरियों में कटौती पर अपने प्रशासन की रणनीति का भी बचाव किया, तथा फेडरल वर्क फोर्स को कम करने में 'हथौड़े' के बजाय 'स्केलपेल' के इस्तेमाल की बात कही। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक कुछ कैबिनेट सदस्यों ने नौकरी में कटौती के लिए मस्क के नजरिए के बारे में व्हाइट हाउस के समक्ष चिंता व्यक्त की थी। मस्क की अध्यक्षता में सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) ने जब से जनवरी के अंत में अपना काम शुरू किया है, तब से 30,000 से अधिक अमेरिकी संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। इसव्हाइट हाउस ने पहले कहा था कि लगभग 75,000 संघीय कर्मचारियों ने 'बायआउट' योजना को स्वीकार कर लिया है, जिसके तहत 'स्थगित इस्तीफे' के बदले आठ महीने का वेतन देने की पेशकश की गई है।

इजरायल ने बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर गाजा की बिजली आपूर्ति की बंद

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल ने घोषणा की कि वह हमास पर बंधकों को रिहा करने के लिए दबाव डालने के लिए गाजा पट्टी की बिजली आपूर्ति बंद कर रहा है। इजरायली ऊर्जा मंत्री एली कोहेन ने एक वीडियो बयान में कहा, मैंने अभी-अभी गाजा को बिजली की आपूर्ति तुरंत रोकने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि इस उपाय का उद्देश्य हमास पर उन लोगों को रिहा करने का दबाव बनाना है, जो अब भी गाजा में बंधक हैं। इजरायली आंकड़ों के अनुसार, अब भी 59 बंधक हमास की कैद में हैं, जिनमें से लगभग 24 के जीवित होने का अनुमान है। श्री कोहेन ने कहा, हम सभी बंधकों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करेंगे और गारंटी देंगे कि हमास (युद्ध) के अगले दिन गाजा में नहीं रहेगा। ऊर्जा मंत्री ने सार्वजनिक रूप से जारी किये गये एक पत्र में देश के स्वामित्व वाली इजरायल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन को गाजा को बिजली की बिक्री बंद करने का निर्देश दिया। उनके प्रवक्ता ने बताया कि यह आदेश तुरंत प्रभावी हो जाएगा।

गाजावासियों के पुनर्वास के लिए 'प्रवासन प्रशासन' स्थापित करने की योजना बना रहा है

एजेंसी

यरूसलम । इजरायल गाजा पट्टी के फिलिस्तीनी निवासियों को दूसरी जगह बसाने के लिए एक 'प्रवासन प्रशासन' बनाने की योजना पर काम कर रहा है। यह जानकारी इजरायल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने दी।

स्मोट्रिच कट्टर दक्षिणपंथी नेता हैं और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह बयान संसद में एक सम्मेलन के दौरान दिया। इस कार्यक्रम का आयोजन लैंड ऑफ इजरायल कॉकस नामक एक संगठन ने किया था। न्यूज एजेंसी के अनुसार, इस सम्मेलन में स्मोट्रिच ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'गाजा रिवेरा' योजना का जिक्र किया। इस योजना के तहत अमेरिका गाजा का नियंत्रण अपने हाथ में लेगा, वहां के निवासियों को हटाया जाएगा, और इस क्षेत्र को मिडिल ईस्टर्न रिवेरा के रूप में विकसित किया जाएगा। यह योजना फरवरी 2024 में सामने आई थी और इसे व्यापक विरोध का सामना करना पड़ा है। हालांकि, नेतन्याहू और कई अन्य इजरायली

मंत्री इसका समर्थन कर रहे हैं।

स्मोट्रिच के अनुसार, इजरायल के रक्षा मंत्रालय में माइग्रेशन अथॉरिटी स्थापित करने की तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिदिन 10,000 लोगों को गाजा से बाहर ले जाया जाए, तो पूरे गाजा की 20 लाख की आबादी को हटाने में लगभग छह महीने लगेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका के साथ मिलकर उन देशों की पहचान करने का काम चल रहा है, जहां गाजा के लोगों को बसाया जा सकता है।

ट्रंप की इस योजना का अरब देशों सहित दुनिया के कई हिस्सों में विरोध हो रहा है।

इसके जवाब में, अरब देशों ने मंगलवार को मिस्र द्वारा प्रस्तावित 53 अरब डॉलर की गाजा पुनर्निर्माण योजना को मंजूरी दी, जिसका मकसद गाजा में लोगों को वहां से हटाए बिना फिर से बसाना है।फरवरी 2024 में, राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा था कि अमेरिका गाजा का नियंत्रण अपने हाथ में लेगा। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका को ऐसा करने का अधिकार है। ट्रंप ने जोर्डन के किंग अब्दुल्ला II से कहा था, 'हम इसे अपने पास रखेंगे, इसे ठीक से चलाएंगे, और यहां शांति बनाए रखेंगे ताकि कोई सवाल न उठाए। उन्होंने यह भी इच्छा जताई कि गाजा को एक आकर्षक पर्यटन और व्यापारिक केंद्र में बदला जाए, जहां रिसॉर्ट और ऑफिस बनाए जा सकें।

चेरी की खेती

चेरी की खेती विश्व में सबसे अधिक यूरोप और एशिया, अमेरिका, तुर्की आदि देशों में की जाती है। जबकि भारत में इसकी खेती उत्तर पूर्वी राज्यो और हिमाचल प्रदेश, कश्मीर, उत्तराखंड आदि राज्यों में कि जाती है। चेरी स्वास्थ्य के लिये अच्छा फल माना जाता है। यह एक खट्टा-मीठा गुठलीदार फल है। इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाये जाते है, जैसे- विटामिन 6, विटामिन ए, नायसिन, थायमिन, राइबोफ्लैविन पोटेशियम, मैगनिज, कॉपर, आयरन तथा फस्फोरस प्रचूर मात्रा में पाए जाते है। इसके फल में एंटीऑक्सीडेट अधिक मात्रा में होता है, जो स्वास्थ के लिये अधिक अच्छा माना जाता है।

इसको तीन वर्गो में विभाजित किया जाता है, जैसे-

1. मीठी चेरी जिसे प्रूनस एवियम कहते है, इसकी मूल क्रोमोजोम संख्या एन- 8 है, इसमें दो वर्ग की चेरी शामिल है एक हार्ट और दूसरी बिगारो।

2. खट्टी चेरी जिसका वैज्ञानिक नाम प्रूनस सीरैसस है, इसमें भी दो वर्ग की चेरी शामिल है, जैसे- एक अमरैलो तथा दूसरी मोंरैलो।

3. ड्यूक चेरी जो पहले व दूसरे के संकरण से निकली है, यह एक पालीप्लायड चेरी है, जिसकी मूल क्रामोजोम संख्या 2एन- 32 है, सभी चेरी रोजेसी कुल की सदस्य हैं।

चेरी की खेती समुद्रतल से 2,100 मीटर की ऊँचाई के नीचे सफलतापूर्वक पैदा नहीं की जा सकती। परन्तु कश्मीर और कुल्लू की घाटियों में इसे 1500 मीटर की ऊँचाई पर भी सफलतापूर्वक पैदा किया जा सकता है। गर्मी में वातावरण ठंडा और शुष्क होना चाहिए। इसे लगभग 120 से 150 दिन तक अच्छी ठंडक यानि 7 डिग्री सेंटीग्रेट से कम तापमान की आवश्यकता होती है। अत: जिन स्थानों में उक्त दिनो तक । डिग्री सेंटीग्रेट से कम तापमान मिलता है वहीं इसे सफलतापूर्वक पैदा किया जा सकता है।

चेरी की खेती विभिन्न प्रकार की भूमि में की जा सकती है। परन्तु इसके लिये रेतीली-टोमट मिट्टी को अच्छा माना जाता है। रेतीले टोमट मिट्टी जिसका पीएच मान 6.0 से 7 .5 होना चाहिए। इस मिट्टी में नमी के साथ साथ साथ उपजाऊ होना भी आवश्यक है। चेरी की खेती के फूलों व फलों को पाले से बचाना जरूरी है।

चेरी की खेती के लिए अनेक किस्में उपलब्ध है, लेकिन व्यवसायिक दृष्टि से उगाई जाने वाली कुछ किस्में इस प्रकार है, जैसे-

जल्दी तैयार होने वाली किस्में- फ्रोगमोर अर्ली, ब्लेक हार्ट, अर्ली राईवर्स, एल्टन।

मध्य समय में तैयार होने वाली किस्में- बेडफोर्ड प्रोलोफिक, वाटरलू।

देर से तैयार होने वाली किस्में- इम्परर, फ्रैंसिस, गर्वरनर उड।

चेरी की किस्में जिन्हें बिगर रेड और हार्ट समूहों में बांटा गया है, जैसे-

बिगर रेड समूह- इस समूह का चेरी सामान्यत: इसका आकार गोलाकार तथा आम तौर पर फल का रंग अंधेरे से हल्के लाल भिन्न होता है, इसमें संकर किस्में जैसे- लैपिंस, सिखर सम्मेलन, सनबर्ट, सैम और स्टेला आदि है।

हार्ट समूह- इस समूह के तहत चेरी फल दिल का आकार का होता है, और फल का रंग हल्का लाल तथा रेडिस रंग का होता है।

भारत में चेरी की क्षेत्र के आधार पर किस्में इस प्रकार है, जैसे-

हिमाचल प्रदेश- वाइट हार्ट, स्टैला, लैम्बर्ट, पींक अर्ली, तरतरियन, अर्ली रिवर और ब्लैंक रिबलन आदि।

जम्मू कश्मीर- बिगरेयस नायर ग्रास, अर्ली परर्पिल, गुनेपोर, ब्लैक हार्ट आदि।

उत्तर प्रदेश- गर्वेनश वुड, बेडफोर्ड, ब्लैक हार्ट आदि।

पौधे तैयार बीज के माध्यम से या जड़ कटाई द्वारा किए जाते है। मुख्य रूप से ग्राफ्टिंग पद्धति के माध्यम से चेरी पौधों को लगाया जा सकता है। आमतौर पर बीज अंकुरण के लिए शीतल उपचार की आवश्यकता होती है। आमतौर पर इसके बीज पूरी तरह से पके फल से निकाले जाते हैं। इन बीज को सूखे और ठंडे स्थान पर संग्रहीत किया जाना चाहिए। लगभग एक दिन के लिए इसके बीज को विशेष विधि से भिगोया जाता है।

पौधे ऊपर उठी क्यारियों में लगाए जाते हैं, इन क्यारियों की चैड़ाई 105 से 110 सेंटीमीटर व ऊँचाई लगभग 15 सेंटीमीटर रखनी चाहिए, दो क्यारियों के बीच में 45 सेंटीमीटर का अन्तर रखा जाना चाहिए। क्यारियों में पौधों को चार पंक्तियों के बीच में 15 से 25 सेंटीमीटर की दूरी व पौधे की आपसी दूरी सेंटीमीटर रखना आवश्यक है। पौधों की रोपाई दिन के ठंडे समय में की जानी चाहिए। चेरी की खेती या बागवानी हेतु कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में चेरी का अलेंगिक प्रवर्धक रोपण द्वारा तथा चश्मा चढ़ाकर किया जाता है। रोपण फरवरी में करते है और रिंग चश्मा जून और सितम्बर में चढ़ाते हैं।

कश्मीर में चेरी का रोपण मैजर्ड प्रकंद से जो सकर्स निकलते है, उन पर किया जाता है।

हिमाचल प्रदेश में इसका पाजा के बीजू पौधों पर रोपण करते है। पाजा के पेड़ जंगली पैमाने पर हिमाचल प्रदेश में उगते हैं, इनके पत्ते गिरते नहीं, अभी हाल ही में प्रूनस कारन्यूटा का भी प्रकंद इस्तेमाल किया गया है।

नर्सरी पैमाने पर यह सफल साबित हुआ है, कारन्यूटा का प्रकंद ओजस्वी और ठंड और वैक्टरीनियल गमोसिस के प्रति सहिष्णु है।

अन्य देशों में माजार्ड और माहले के प्रंकद अधिक इस्तेमाल किये जाते हैं। फ्रांस और जर्मनी में स्टाक्टन मोरेलो का प्रकंद भी इस्तेमाल किया जाता हैं, खट्टी चेरी के लिए यह एक अच्छा प्रकंद है।

सेब की तरह चेरी में अभी कोई बामन किस्म का प्रकन्द विकसित नहीं किया गया है। चेरी में रेखांकन एवं पौध रोपण अन्य अष्ठिफलों जैसे आडू, प्लम आदि की तरह किया जाता है। पेड़ लगभग 10 मीटर की दूरी पर लगाये जाते हैं। लगाने के बाद लकड़ी गाढ़कर पौधो को आरम्भ में सहारा देना चाहिये। सूरज की तेज रोशनी से पौधे के तने पर बूरा प्रभाव पड़ता है। अत: इससे बचने के लिए तने पर चूने का लेप कर दें या इसे किसी कार्ड बोर्ड की पट्टी से ढ़क देना चाहिए। चेरी की लगभग सभी किस्मों में स्वअनिषेच्यता पायी जाती है। अत: इनमें पर-परागण आवश्यक होता है। कुछ किस्मों में जैसे बिंग, लैम्बर्ट और नेपोलियन आदि में पर अनिषेच्यता भी मिलती है, इन किस्मों के लिए ड्यूक किस्म परागण का काम करती है। अधिकांश मीठी किस्मों के परागण के लिए फ्रागमोर किस्म सबसे अच्छी पाई गयी है और खट्टी किस्मों में स्व-परागण से फल बनते हैं। अत: इनमें परागकारी किस्म लगाने की आवश्यकता नहीं पडती हैं।

मीठी चेरी को अन्य फलों की अपेक्षा बहुत कम सिंचाई की आवश्यकता होती है। इसका कारण यह है, कि इसके फल बहुत जल्दी पककर तैयार हो जाते हैं। जिससे इन्हें अधिक गर्मी का सामना नहीं करना पड़ता। परन्तु यदि ऐसी सूखी जलवायु में इसके पेड़ हों जहां उत्स्वेदन की क्रिया अधिक हो तो ऐसे स्थान में पेडों को पानी की आवश्यकता पडेगी।

नमी बनाये रखने के लिए इसके उद्यान में मल्चिंग (पलवार बिछना) अधिक लाभप्रद सिद्व हुई है। खट्टी चेरी में उत्स्वेदन अधिक होता है। अत: इसे अधिक पानी की आवश्यकता पड़ती है। चेरी के बाग में खरपतवार नहीं होने चाहिए।

स्वीट चेरी के पेड़ आडू की अपेक्षा अधिक नाइट्रोजन लेने की क्षमता रखते हैं। पोटाश की कमी के लक्षण भी पेड़ों पर नहीं मिलते क्योंकि मिट्टी से पोटाश लेने की क्षमता इसके पेड़ों में अधिक होती है। खट्टी चेरी को नाइट्रोजन की अधिक मात्रा दी जानी चाहिए।

चेरी के पेड़ बिना अधिक काट छांट के ही उचित आकार ग्रहण कर लेते हैं, फिर भी पेड़ों की ट्रेनिंग परिवर्तित अग्र प्ररोह विधि द्वारा की जाती है। मीठी चेरी मंत फूल दीर्घकालीन स्पर पर लगते हैं। ये स्पर 10 से 12 साल तक फूल-फल देते रहते हैं। इसलिए अन्य पर्ण पाती फल वृक्षों की अपेक्षा इसमें नयी लकड़ी के लिए बहुत कम काट-छांट की आवश्यकता होती है। यदि पेड़ की ट्रेनिंग ठीक ढंग से की गई तो फलत में आये पेड़ को उत्पादन में रखने के लिए किसी विशेष काट-छाट की आवश्यकता नहीं होती।

काट-छांट इस प्रकार करनी चाहिए कि प्रत्येक वर्ष लगभग 10 प्रतिशत पुराने स्पर निकाल दिये जायें जिससे नये स्पर का निकास हो सके। कहने का तात्पर्य यह है कि इसमें बहुत हल्की काट-छांट की जरुरत पड़ती है। हल्की काट-छांट के अतिरिक्त बाग की मिट्टी सही हालत में रखना आवश्यक है। जिससे इसका अच्छा उत्पादन दीर्घ काल तक मिलता रहता है।

चेरी स्वास्थ्य के लिये अच्छा फल माना जाता है। यह एक खट्टा-मीठा गुठलीदार फल है। इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाये जाते है, जैसे- विटामिन 6, विटामिन ए, नायसिन, थायमिन, राइबोफ्लैविन पोटेशियम, मैगनिज, कॉपर, आयरन तथा फस्फोरस प्रचूर मात्रा में पाए जाते है।

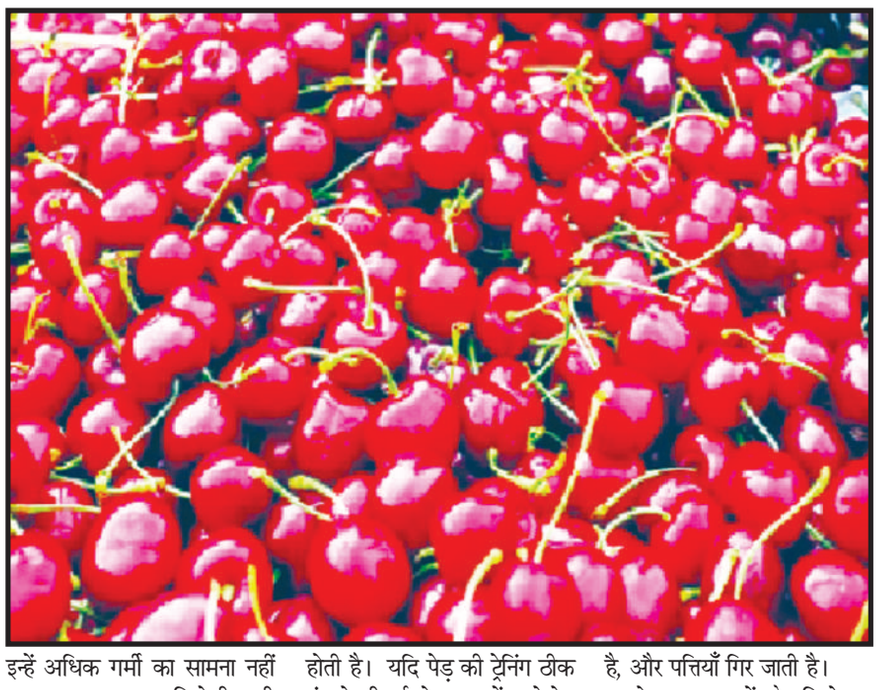

रोग और कीट रोकथाम

बैक्टीरियल गमोसिस- बैक्टीरियल गमोसिस चेरी का प्रमुख रोग है।

रोकथाम- रोगजनित भाग को छीलकर अगल कर लें और चौबटिया पेस्ट लगाये। पतछड़ और बसंत ऋतु में एक एक छिड़काव बोर्डोमिश्रण का करें।

लीफ स्पाट- ग्रसित पत्तियों में बैंगनी धब्बे बन जाते हैं, जो बाद में बढ़कर लाल-भूरे क्षेत्र के अन्दर भूरे रंग के दिखते हैं। जब धब्बों के सूखे हुए क्षेत्र झड़ जाते हैं, तोपत्तियों में छेद दीखने लगते हैं, बाद में पूरीपत्ती का हरपन समाप्त हो जाता है, और पत्तियाँ गिर जाती है।

रोकथाम- पत्तों के गिरने या कलियों के सूखने के समय ज़ीरम या थीरम 0.2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

भुरी व्याधि- फल तोड़ते समय वातावरण की अर्द्रता के कारण यह रोग फैलता है। मीठी और ड्यूक किस्मों में इसका प्रकोप अधिक होता है। सड़े हुए हिस्सों में पाउडर की तरह भूरे रंग के स्पोर बन जाते हैं।

रोकथाम- कैप्टान का छिड़काव दो बार करें 15 दिन के अन्तराल से।

ब्लेक फ्लाई- चेरी की खेती का यह मुख्य हानिकारक कीट है, नये साखाओं व पत्तियों को इसके झुंड कुंचित कर देते हैं और शहद जैसा पदार्थ छोड़ते हैं। जो फलों को बाजार के अयोग्य बना देते हैं।

रोकथाम- उपचार के लिए नीम का काढ़ा कीटनाशी या रोगोर का प्रयोग करें। चेरी के पेड़ लगाने के पांचवें साल बाद फल देना आरम्भ कर देते हैं और दस साल तक अच्छी तरह फलने लगते हैं। इसके पेड़ काफी दीर्घजीवी होते है और अच्छी देखभाल से 50 साल तक फल देते रहते हैं। फल मई के मध्य में पकना आरम्भ हो जाते हैं, इसमें कभी-कभी फल फटने की समस्या गम्भीर हो जाती है।

ऋषि कृषि के सिद्धांत

पेड़ पौधों की वृद्धि और उनसे अच्छा उत्पादन लेने के लिए जिन जिन संसाधनो की आवश्यकता होती है, उन सभी संसाधनों को प्रकृति से ही जुटाना ऋषि कृषि कहलाता है। पुराने समय मे हमारे ऋषि मुनि इसी पद्धित का प्रयोग करते थे तथा उत्तम किस्म के अन्न एव फलों का उत्पादन करते थे। ऋषि कृषि मे किसी प्रकार की लागत ना होने की वजय से यह पद्धति वर्षों तक भारतीय कृषि का आधार रही।

आओ हम ऋषि कृषि के सिद्धान्त के बारे मे विस्तार से जानते हैं।

1. देसी गाय

ऋषि कृषि मुख्य रूप से गाय पर आधारित कृषि है । देसी गाय के एक ग्राम गोबर मे 300 से 500 करोड़ तक जीवाणु होते हैं । जबकि विदेसी गाय के एक ग्राम गोबर मे अस्सी लाख से भी कम जीवाणु पाये जाते हैं।

देशी गाय ऋषि कृषि का आधार

देसी गाय के गोबरअवम मुत्र की महक से देसी केंचुए भूमि की सतह पर आ जाते हैं और भूमि को उपजाऊ बनाते हैं ।

देसी गाय के गोबर मे 16 मुख्य पोशाक तत्व पाये जाते हैं । इन्ही 16 पोशाक तत्वों को पौधे भूमि से लेकर अपने शरीर का निर्माण करते हैं । ये 16 तत्व देसी गाय के आंत मे निर्मित होते हैं । इसलिए देसी गाय हमारे ऋषि मुनियों के आश्रम मे निश्चित रूप से रखी जाती थी ।

2. जुताई

ऋषि कृषि की मान्यता है की गहरी जुताई भूमि की उपजाऊ शक्ति को कम कर देती है 360 डिग्री तापमान होते ही भूमी से कार्बन उड़ना शुरू हो जाता है। और ह्यूमस की निर्माण क्रिया रुक जाती है। जिसके कारण भूमि की उपजाऊ शक्ति कम हो जाती है।

3. जल प्रबंधन

ऋषि कृषि मे सिंचाई पौधों से कुछ दूरी पर की जाती है इसमे केवल 10 प्रतिशत जल का हे उपयोग होता है और इस प्रकार पानी की भी बचत होती है । इस विधि से सिंचाई करने से पौधों की जड़ो की लंबाई बढ़ जाती है जिससे पौधों की लंबाई भी बढ़ जाती है और अधिक उत्पादन प्राप्त होता है।

4. पौधों की दिशा

हमारे ऋषि मुनि वनस्पति विज्ञान के बहुत बड़े जानकार थे इसलिए ऋषि कृषि मे पौधों की दिशा उत्तर दक्षिण रखी जाती थी जिससे पौधों को सूर्य का प्रकाश अधिक समय तक मिलता रहे। और हम भी सभी जानते हैं कि पौधे अपना भोजन सूर्य के प्रकाश से ही बनाते हैं । इस विधि से पौधा रोपण करने से किट लगने कि संभावना भी काफी कम हो जाती है । मात्र इस विधि का प्रयोग करके ही हम अपने उत्पादन को 20 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं।

5. सहयोगी फसलें

क्योंकि हमारे ऋषि मुनि कृषि विज्ञान के ज्ञाता थे वो ये भी जानते थे कि मुख्य फसल के साथ सहयोगी फसल का क्या महत्तव है। जिससे मुख्य फसल को नाइट्रोजन, फासफोरस, पोटाश आदि सहयोगी फसलों से मिलता रहे ।

सहयोगी फसलों की जड़ों के पास नाइट्रोजन स्थिरक जीवाणु जैसे राइजोबियम, अस्सोस्पिरिलम अजोतोबक्टर आदि कि मदद से पौधों का विकास होता है । इस विधि से कृषि करने से कीट नियंत्रण भी स्वत हो जाता है।

6. आच्छादन

ऋषि कृषि मे आच्छादन का विशेष महत्तव है । भूमि कि सतह के ऊपर फसलों के अवशेष ढकना आच्छादन कहलाता है ।

इससे पानी कि बचत होती है और भूमी से कार्बन भी नहीं उड़ता, जिससे भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ती है साथ ही साथ देसी केंचुओं कि गति विधियाँ बढ़ जाती हैं

देसी केंचुओं कि विष्ठा मे सामान्य मिट्टी से 7 गुना नाइट्रोजन,9 गुना फास्फोरस और 11 गुना पोटाश होता है जिससे भूमि शीघ्र सजीव हो उठती है।

7. सूक्ष्म पर्यावरण

ऋषि कृषि मे 65 प्रतिशत से 72 प्रतिशत तक नमी, 25 डिग्री से 32 डिग्री तक वायु का तापमान, भूमि के अंदर अंधेरा, वापसा, ऊब और छाया चाहिए । इन परिस्थितियों के निर्माण को हे सूक्ष्म पर्यावरण कहते हैं । इन परिस्थितियों का निर्माण आच्छादन द्वारा निर्मित किया जाता है ।

8. केषाकर्षण शक्ति

ऋषि कृषि मे पौधे केषाकर्षण शक्ति के द्वारा मिट्टी कि गहराई से पोशाक तत्वों को प्राप्त कर लेते हैं । भूमि के नीचे 5 इंच कि मिट्टी मे जीवाणु पर्याप्त मात्रा मे पाये जाते हैं। रसायनिक खादों के कारण यह शक्ति काम नहीं कर पाती।

नाशपाती की खेती

नाशपाती की खेती भारत में ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र से लेकर घाटी, तराई और भावर क्षेत्र तक में की जाती है।

नाशपाती के फल खाने में कुरकुरे, रसदार और स्वदिष्ट होते हैं। इसके फल में पौषक तत्व प्रचुर मात्रा में होते है। यह सयंमी क्षेत्रों का महत्वपूर्ण फल है। नाशपाती की खेती भारत में अधिकतर हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और कम सर्दी वाली किस्मों की खेती उप-उष्ण क्षेत्रों में की जा सकती है।

कृषकों को नाशपाती की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए। ताकि उनको इसकी फसल से अधिकतम और गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त हो सके। इस लेख में नाशपाती की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है। नाशपाती की खेती या बागवानी लगभग पूरे देश में गर्म आर्द्र उपोष्ण मैदानी क्षेत्रों से लेकर शुष्क शीतोष्ण ऊँचाई वाले क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के की जा सकती है। नाशपाती समुद्रतल से लगभग 600 मीटर से 2।00 मीटर तक इसका फल उत्पादन सम्भव है। इसके लिए 500 से 1500 घण्टे शीत तापमान । डिग्री सेल्सियस से नीचे होना आवश्यक है।

निचले क्षेत्रों में इसकी बागबानी की सम्भावना उत्तर से पूर्व दिशा वाले क्षेत्रों में और ऊँचाई वाले दक्षिण से पश्चिम दिशा के क्षेत्रों में अधिक है। सर्दी में पड़ने वाले पाले, कोहरे और ठण्ड से इसके फूलों को भारी क्षति पहुँचती है। इसके फूल 3.50 सेल्सियस से कम तापमान पर मर जाते हैं।

नाशपाती की खेती के लिए मध्यम बनावट वाली ब्लुई दोमट तथा गहरी मिट्टी की आवश्यकता होती है। जिसमें जल निकास सरलता से हो। दूसरे पर्णपाती फल पौधों की अपेक्षा नाशपाती के पौधे चिकनी और अधिक पानी वाली भूमि पर भी उगाये जा सकते हैं, परन्तु पौधों की जड़ों की अच्छी बढ़ौतरी के लिए मिट्टी दो मीटर गहराई तक पथरीली या कंकर वाली नहीं होनी चाहिए।

नाशपाती की खेती के लिए व्यावसायिक तौर पर अनुमोदित ऊँचे पर्वतीय क्षेत्रों की किस्में इस प्रकार है, जैसे-

अगेती किस्में- अर्ली चाईना, लेक्सटन सुपर्ब, थम्ब पियर, शिनसुई, कोसुई और सीनसेकी आदि।

मध्यम किस्में- बारटलैट, रैड बारटलैट, मैक्स-रैड बारटलैट, कलैप्स फेवरट, फ्लैमिश ब्यूटी (परागण) और स्टारक्रिमसन आदि।

पछेती किस्में- कान्फ्रेन्स (परागण), डायने डयूकोमिस, काश्मीरी नाशपाती और विन्टर नेलिस आदि।

मध्यवर्ती, निचले क्षेत्र व घटियों हेतु- पत्थर नाख, कीफर (परागण), चाईना नाशपाती, गोला, होसुई, पंत पीयर-18, विक्टोरिया और पंत पियर-3 आदि।

नाशपाती की प्रमुख किस्मों का वर्णन इस प्रकार है, जैसे-

अर्ली चाईना- सभी किस्मों से पहले पकने वाली किस्म, पौधों की बढ़ौतरी मध्यम रूप से, ऊपरी भाग फैलावदार, फल छोटे और गोल आकार वाले, मीठे व कम भण्डारण क्षमता वाले, जून महीने में फल पक कर तैयार हो जाती है।

लेक्सटन सुपर्ब- फल लम्बूतरा, खुरदरा, पतला तथा पीले के साथ-साथ हरे रंग के छिलके वाला, मीठा, रसदार तथा उत्तम गुणवत्ता वाला, पौधे की बढ़ौतरी मध्यम तथा ऊपरी भाग फैलावदार, अधिक पैदावार देने वाली किस्म किस्म है।

बारटलैट- सर्वाधिक लोकप्रिय व्यावसायिक किस्म, फल बड़े आकार वाला, छिलका पतला साफ पीले रंग का, कोमल, गूदा उत्तम श्रेणी का, बहुत रसीला, खुशबूदार, पौधे अधिक पैदावार देने वाले, मध्यम आकार के होते है।

रैड बारटलैट- नाशपाती का मध्यम से बड़े आकार का फल, गूदा सफेद रंग का, रसीला, कुरकुरा, खुशबूदार, घुलने वाला, नरम, जून के अन्तिम सप्ताह से मध्यम जुलाई तक पकने वाली किस्म, व्यापारिक स्तर पर अधिक लाभदायक, पौधे की वृद्धि दर मध्यम, मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में भी उगाने योग्य किस्म है।

मैक्स रैड बारटलैट- फल उत्तम गुणवत्ता वाला, रसीला, गूदा सफेद, लालिमा युक्त, बारटलैट की सुधरी किस्म किस्म है।

कलैप्स फेवरट- बारटलैट की तरह बड़े आकार का फल, नीम्बू की तरह पीला, भूरे बिन्दुओं वाला, गूदा उत्कृष्ट, चिकना, सुगन्धी वाला व मीठा, पेड़ बड़े आकार का और बहुफलदायक है।

फ्लेमिश ब्यूटी- नाशपाती के फल बड़े आकार के, एक समान गोलाकार, स्वादिष्ट, फल का रंग साफ, पीला, ऊपर से लालिमा युक्त बिन्दुओं वाला, पौधे की शाखायें नीचे की ओर झुकी, फैलावदार, अच्छे उत्पादन वाली किस्म, सितम्बर में पककर तैयार होती है।

स्टारक्रिमसन- फल मध्यम आकार का, आकर्षित लाल रंग का, अधिक समय तक रखने पर कलेजी रंग का, गूदा सफेद एवं नरम, मीठा, फल जुलाई के दूसरे सप्ताह में पक कर तैयार, पौधे ओजस्वी, मध्य पर्वतीय क्षेत्रों के लिए अनुकूल किस्म है।

कान्फ्रेन्स- नाशपाती का मध्य आकार का फल, छिलका हरा, पकने पर पीला, गूदा सफेद हल्के गुलाबी रंग का, मीठा, रसदार, अच्छी सुगन्ध वाला, पौधे की शाखायें ऊपर की ओर फैलावदार, बढ़ौतरी मध्यम होती है।

डायने डयूकोमिस- इस किस्म का फल आयताकार, थोड़ी गोलाई वाला, छिलका खुरदरा, दानेदार, पीले रंग का थोड़ा गेहूँआ रंग वाला, गूदा मीठा, स्वादिष्ट, सुगंधित, कोमल, रसीला, पेड़ की वृद्धि दर मध्यम, पेड़ ऊपर की ओर सीधे बढ़ने वाला, सघन, अधिक फल देने वाला, फल अक्तूबर में पक कर तैयार होती है।

काश्मीरी नाशपाती- फल छोटे आकार का, हरे रंग का, फल का रंग तोड़ने पर पीला, गूदा बिल्कुल साफ सफेद, खुशबूदार, मीठा तथा रसीला, पेड़ मध्यम आकार का, नियमित रूप से अधिक फल देने वाली किस्म है।

पत्थर नाख- मध्यम आकार का पीले रंग का गोलाकार फल जिस पर हल्के सफेद रंग के बिन्दु, गूदा सफेद, गुणवत्ता मध्यम, खाने में कुरकुरा, पेड़ सीधा ऊपर को बढ़ने वाला, पौधे की वृद्धि दर मध्यम तथा मध्यम आकार के पौधे होते है।

कीफर- फल बड़े आकार का, सुनहरे पीले रंग का, कुरकुरा, निम्न कोटि की गुणवत्ता वाला, संसाधन के लिए उपयोगी किस्म है।

थम्ब पियर- फल छोटा, छिलका हरा-पीला होता है, जिस पर हल्का बैंगनी और कत्थई रंग चढ़ा, पकने पर फल का अधिकांश भाग चमकदार पीला हो, गूदा रसदार, मुलायम और बहुत मीठा, फल जून के प्रथम सप्ताह में पकने प्रारम्भ हो जाते हैं।

शिनसुई- फल मध्यम से बड़े आकार के गोल और हरे, गूदा हल्का सफेद, रसदार, ग्रिट कोशाओं की संख्या अधिक, मीठा, पेड़ अधिक वृद्धि करने वाला उपजाऊ, फल जुलाई के दूसरे सप्ताह में पककर तैयार हो जाते है।

कोसुई- जल्दी तैयार होने वाली, छिलका हरापन लिए हुए सुनहरा, गूदा मीठा रसदार, फल मध्यम आकार के गोल होते है।

विक्टोरिया- फल मध्यम से बड़े आकार का पीलापन लिये हरा तथा प्रत्यक्ष सूर्य के प्रकाश की तरह, धब्बो से परिपूर्ण, पकने पर गूदा अत्यन्त मुलायम, रसदार, मीठा और स्वादिष्ट, अच्छी फलत वाली किस्म हैं, जुलाई के तीसरे सप्ताह में पककर तैयार हो जाती हैं।

पंत पियर 3- पेड़ मध्यम आकार के, अधिक उपज देने वाली, मध्यम से देर में पकने वाली, फल मध्यम आकार के नाशपाती की बनावट में गूदा मुलायम व मीठा, छिलका पतला हल्का पीलापन लिए हुए हरा, तराई-भावर और घाटियों के लिए उपयुक्त किस्म है।

नाशपाती की खेती हेतु सामान्य स्थिति में नाशपाती के पौधे कैन्थ या शियारा के बीज से बने मूलवृन्त पर कलम करके तैयार किये जाते हैं। केन्थ के बीजों को स्थानीय स्त्रोतों से एकत्र करके उन्हें बिना स्तरित (स्ट्रैटीफिकेशन) किये ही दिसम्बर से जनवरी में खेत में बोया (उगाना) जाता है। अधिक अंकुरण के लिए कैन्थ के बीजों को 35 से 45 दिनों तक 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तापमान पर नमी वाले रेत में स्तरित भी किया जा सकता है। एक वर्षीय पौधे पर कलम आरोपित की जाती है। फरवरी से मार्च में जिहा पैबन्द लगाया जाता है और जून से जुलाई में चश्मा चढाया जा सकता है।

कैन्थ- यह एक जंगली पौधा है, जो गहरी जड़ों वाला, सूखे की स्थिति को झेलने वाला तथा मध्यम बढ़त वाला होता है। कैन्थ में कल्ले बहुत निकलते हैं।

शियारा- शियारा पर पौधे कैन्थ की अपेक्षा अधिक बढ़ते हैं।

क्लोनल रूट स्टॉक- आजकल नाशपाती का प्रमुख रूप से 'क्वींस ए' मूलवृन्त पर प्रवर्धन किया जाता है। यह एक मध्य बौना मूलवृंत है, जिस पर पौधों का आकार लगभग दूसरे मूलवृतों पर तैयार किये गये पेड़ों से 50 से 60 प्रतिशत कम होता है। इस मूलवृत की योग्यता अन्य व्यावसायिक किस्मों से कम हैं। इस असंगति को दूर करने के लिए नाशपाती का अन्तराल ओल्ड ह्यूम या ब्यूरो हार्डी (इंटर स्टॉक) लगाना चाहिए। क्लैफ्ट ग्राफ्टिंग- सुरक्षित क्षेत्रों में जहां जंगली कैथ हो वहां पर जनवरी से फरवरी में क्लैफ्ट ग्राफ्टिंग द्वारा नाशपाती की उन्त किस्मों के पौधों में बदला जा सकता है। जंगली पेड़ों पर टाप वर्किग द्वारा कलम लगानी चाहिए। नाशपाती की खेती के लिए सामान्य रूप से बीजू मूलवृत पर तैयार किये गये पौधों के बीच 5 × 5 मीटर की दूरी और क्लोनल मूलवृत में यही दूरी 3 × 3 मीटर तक रखी जाती है। ढलानदार क्षेत्रों में नाशपाती के पोधे छोटे-छोटे खेत बनाकर लगाए जाने चाहिए, परन्तु समतल घाटियों वाले क्षेत्रों में वर्गाकार, षट्कोणाकार, आयताकार विधि, आदि से पौधे लगाये जा सकते हैं। आपस में उलझी हुई, सूखी, टूटी तथा रोग ग्रस्त शाखाओं को पेड़ों से अलग कर दें और सुसुप्तावस्था में शाखाओं के ऊपर का एक चौथाई भाग काट दें ताकि अधिक वानस्पतिक वृद्धि न हो। नाशपाती के पौधे पर बीमों पर फल आते हैं। इसलिए 8 से 10 वर्षों के पश्चात् इनका नवीनीकरण करना आवश्यक है ताकि स्वस्थ बीमे नई शाखाओं पर आ सके।

कृषकों को नाशपाती की खेती वैज्ञानिक तकनीक से करनी चाहिए। ताकि उनको इसकी फसल से अधिकतम और गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त हो सके। इस लेख में नाशपाती की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें की पूरी जानकारी का उल्लेख किया गया है। नाशपाती की खेती या बागवानी लगभग पूरे देश में गर्म आर्द्र उपोष्ण मैदानी क्षेत्रों से लेकर शुष्क शीतोष्ण ऊँचाई वाले क्षेत्रों में बिना किसी बाधा के की जा सकती है।